अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित
वर्ष : 15 अंक 270 लखनऊ, रविवार, 19 अप्रैल 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

घुसपैठियों के पैरोकारों ने पास नहीं होने दिया नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक : योगी

योगी आदित्यनाथ ने माथाभांगा व धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित कर भाजपा प्रत्याशियों के लिए मांगे वोट

एजेंसी

कूच बिहार/जलपाईगुड़ी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को पश्चिम बंगाल के चुनावी रण में फिर गरजे। माथाभांगा व धुपगुड़ी विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक पर लोकसभा में विपक्षी दलों के रुख की भर्त्सना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के पैरोकारों ने यह संशोधन विधेयक पास नहीं होने दिया। यह देश की आधी आबादी का अपमान है, माता-बहनें इसे किसी रूप में बर्दाश्त नहीं करेंगी। सीएम योगी ने पश्चिम बंगाल की मौजूदा अराजक स्थिति के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को दोषी ठहराते हुए ऐलान किया कि ममता बनर्जी सिंहासन खाली करो,

बीजेपी आ रही है। अब बंगालवासियों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। आधी आबादी को हक नहीं देना चाहते विपक्षी दलमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहन-बेटियों के लिए लोकसभा व विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण 2029 में लागू करने का संशोधन विधेयक संसद में प्रस्तुत किया, लेकिन कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, सपा व वामपंथियों ने इसे पास नहीं होने दिया। ये लोग आधी आबादी को उसका हक नहीं देना चाहते, लेकिन बांग्लादेशी घुसपैठियों की पैरोकारी करते हैं। बंगाल में मुसलमानों का नाम मतदाता सूची में चढ़े और वे गरीबों के हक पर डकैती डाल सकें, तृणमूल सरकार का यही काम है। आखिर यह कब तक चलेगा।

- मुसलमानों के अलावा किसी के बारे में नहीं सोचती तृणमूल कांग्रेस, डबल इंजन सरकार बनने पर नाक रगड़कर भीख मांगेंगे टीएमसी के गुंडे

नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक को गिराने से आधी आबादी का अपमान हुआ है। देश की बहन-बेटियां इसे कतई स्वीकार नहीं कर सकती हैं।

देश ने संसद में देखा मां के साथ तृणमूल का व्यवहार

सीएम योगी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस मां, माटी व मानुष की बात करती थी। देश-दुनिया ने संसद में मां के साथ उनके व्यवहार को देखा। बंगाल में माटी की स्थिति यह है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों ने यहां के राजवंशियों व नागरिकों का हक छीना जा रहा है। मानुष टीएमसी की गुंडागर्दी से भयभीत है। उपज का दाम नहीं मिलने से किसान पलायन करने को विवश है। यूपी में आलू का दाम 15 से 20 रुपए है और यहां एक से डेढ़ रुपये। टीएमसी के 15 वर्ष के कार्यकाल में 7000 से अधिक बड़े कारखाने बंद हुए। यूपी में हमने तीन करोड़ नौजवानों को रोजगार दिया, लेकिन बंगाल में 30 लाख नौजवान बेरोजगार हुए। धान व मछली उत्पादन में लगातार गिरावट आ रही है। केंद्र सरकार विकास के लिए जो पैसा देती है, वह जरूरतमंदों तक नहीं पहुंचता। यह पैसा तृणमूल के गुंडे व बांग्लादेशी घुसपैठिए खा जाते हैं। सैंड माफिया, बागान माफिया सभी आपके हक पर डकैती डाल रहे हैं।

एमसी प्रमुख पर कड़ा प्रहार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ममता दीदी को हिंदुओं व जय श्रीराम के उद्घोष से चिढ़ है। जिस तरह उन्होंने संसद में आधी आबादी को मिलने वाले हक का विरोध किया। ऐसे ही उन्होंने सिटीजनशिप अमेंडमेंट बिल के दौरान भी किया था। इस एक्ट में मोदी जी ने बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों में प्रताड़ित होकर भारत आने वाले हिंदू, जैन, सिख आदि को भारत की नागरिकता देने व जमीन का अधिकार देने का प्रावधान किया है। अभी पिछले सप्ताह ही उत्तर प्रदेश के अंदर 1056 ऐसे परिवारों को भूमि अधिकार दिया गया है, नागरिकता दी गई है।

संक्षिप्त

भारत से हज उड़ानों का सिलसिला शुरू

नई दिल्ली। भारत से हज यात्रा पर जाने का सिलसिला आज से शुरू हो गया है। दिल्ली से शनिवार सुबह कुल 371 हज यात्रियों को विदाई दी गई जबकि श्रीनगर से आज 431 हज यात्रियों को तीन उड़ानों से मदीना रवाना किया गया। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 से सऊदी एयरलाइन की उड़ान द्वारा भारत सरकार के अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव डा. श्रीवत्स कृष्णा और दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां ने फूल मालाओं से स्वागत करके सऊदी अरबिया के पवित्र शहर मदीना के लिए प्रातः 09.45 बजे रवाना किया। इस अवसर पर पहली हज उड़ान के लिए इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर एक समारोह का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां ने समारोह में उपस्थित भारत में सऊदी सरकार के उप मिशन प्रमुख अहमद मुशब्बब अल अहमरी, अल्पसंख्यक मंत्रालय के संयुक्त सचिव राम सिंह एवं दिल्ली स्टेट हज कमेटी के कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद आरफी भी उपस्थित थे।

केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 2 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों के महंगाई राहत (डीआर) में 02 प्रतिशत की बढ़ोतरी को शनिवार को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया सेंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी।उन्होंने बताया कि सरकार ने महंगाई के बढ़ते प्रभाव को कम करने के लिए डीए और डीआर की अतिरिक्त किस्त जारी करने की मंजूरी दी है।

मणिपुर के पांच जिलों में इंटरनेट सेवा बहाल, हटाया गया अस्थायी प्रतिबंध

इम्फाल। कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा और आम जनता को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए मणिपुर सरकार ने पांच जिलों इम्फाल पश्चिम, इम्फाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर में सभी मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं पर लगाया गया अस्थायी प्रतिबंध हटा लिया है। उल्लेखनीय है कि, इन जिलों में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने के बाद 7 अप्रैल को प्रारंभ में तीन दिनों के लिए मोबाइल डेटा सेवाएं, ब्रॉडबैंड, वीसेट और वीपीएन सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं। बाद में इस प्रतिबंध को समय-समय पर बढ़ाया गया, हालांकि आईएलएल और एफटीटीएच जैसी कुछ ब्रॉडबैंड सेवाओं में सीमित और नियंत्रित छूट दी गई थी। राज्य प्रशासन के अनुसार, जमीनी स्थिति के मूल्यांकन और इंटरनेट बंद रहने से उत्पन्न व्यापक बाधाओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इस प्रतिबंध के कारण उच्च न्यायालय, जिला अदालतों, स्वास्थ्य सेवाओं, शैक्षणिक संस्थानों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर निर्भर विभिन्न विभागों का कार्य प्रभावित हुआ था।

लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, कार्य उत्पादकता 93 प्रतिशत रही

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही शनिवार को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि 18वीं लोकसभा के इस (सातवें) सत्र में कुल 31 बैठकें हुईं और सदन की कार्यवाही 151 घंटे तथा 42 मिनट तक चली। उन्होंने कहा कि इस सत्र में कार्य उत्पादकता 93 प्रतिशत रही।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कई अन्य दलों के प्रमुख नेता सदन में मौजूद थे। बजट सत्र की शुरुआत 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को

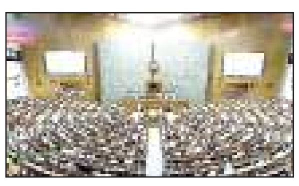

संबोधित किए जाने के साथ हुई। सदन ने पांच फरवरी को 2 घंटे 46 मिनट की चर्चा के बाद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को प्रधानमंत्री मोदी के जवाब के बिना पारित कर दिया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पांच फरवरी को सदन में कहा कि एक दिन पहले कांग्रेस के कई सदस्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सीट के पास पहुंचकर किसी अप्रत्याशित घटना को अंजाम देना चाहते थे, इसलिए उनके अनुरोध पर प्रधानमंत्री सदन में नहीं आए। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लोकसभा में शुरू हुई चर्चा में भाग लेते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख एम एम नरवणे के एक अप्रकाशित संस्मरण के हवाले से चीन के साथ टकराव का मुद्दा उठाने का प्रयास किया था, लेकिन अध्यक्ष बिरला ने नियमों का हवाला देते हुए इसकी अनुमति नहीं दी।

इस मुद्दे पर सदन में गतिरोध बना रहा। इसी दौरान आसन के समीप कागज उछालने और आसन की गरिमा को ठेस पहुंचाने के मामले में कांग्रेस के आठ और एक माकपा सदस्य को संसद के वर्तमान सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया।

कोयंबटूर रैली में प्रधानमंत्री मोदी का डीएमके-कांग्रेस पर निशाना, बोले-

महिला आरक्षण का विरोध किया, एनडीए जारी रखेगा संघर्ष

एजेंसी

कोयंबटूर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को तमिलनाडु के कोयंबटूर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए डीएमके और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि भाजपा-एनडीए जनता के अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह हमारी लड़ाई का अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। भाजपा और एनडीए आपके अधिकारों के लिए लगातार काम करते रहेंगे। उन्होंने संसद में पारित 'नारी शक्ति अधिनियम' का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने महिला आरक्षण

लागू करने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है और सभी राजनीतिक दलों से इसका समर्थन करने की अपील की है। मोदी ने आरोप लगाया कि डीएमके, कांग्रेस और उनके सहयोगियों ने इस विधेयक का विरोध किया, जिससे महिलाओं को पहले ही अधिक प्रतिनिधित्व मिल सकता था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2011 की जनगणना के आधार पर तमिलनाडु को अतिरिक्त सीटें मिल सकती थीं, लेकिन डीएमके ऐसा नहीं चाहती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि काले कपड़े पहनकर डीएमके अपनी गलत मंशा नहीं छिपा सकती और जनता सब जानती है।

उन्होंने डीएमके पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि यह पार्टी परिवार द्वारा, परिवार के लिए और परिवार की नीति पर चलती है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और दिल्ली में पार्टी के प्रमुख नेता एक ही परिवार से हैं। मोदी ने राज्य में कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा पर भी सवाल उठाए और कहा कि डीएमके का महिला विरोधी रवैया अब जनता के सामने है और इसका जवाब मिलेगा। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे डीएमके नेताओं से महिला आरक्षण का विरोध करने पर सवाल पूछें। प्रधानमंत्री ने अपने पिछले दौरे का उल्लेख करते हुए कहा, पिछले साल नवंबर में मैं प्राकृतिक खेती पर एक सम्मेलन के लिए कोयंबटूर आया था। यह अनुभव मैं कभी नहीं भूल सकता।

ये हारकर भी जीत गए, वे जीतकर भी हारे

बात निकली है, तो दूर तलक जाएगी : अमित शाह

अभयानंद शुक्ल

लखनऊ। बात निकली है, तो दूर तलक जाएगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू करने का मार्ग प्रशस्त करने वाले 181 वें संविधान संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान लोकसभा में गृहमंत्री अमित शाह द्वारा बोला गया ये वाक्य विपक्ष के लिए बड़ी चेतावनी है। बिल दो तिहाई बहुमत के अभाव में गिरने के बाद उसकी झलक दिख भी गई। तुरंत बाद एनडीए दलों की महिला सांसदों ने संसद परिसर में कांग्रेस और विपक्ष के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। एनडीए फ्लोर लीडर्स की बैठक में फैसला लिया गया कि यह प्रदर्शन पूरे देश में विशेषकर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में जोर-शोर से किया जाएगा। मतलब भाजपा अपने पक्ष में नैरेटिव गढ़ने में सफल हो गयी। और विपक्ष चाहे जो भी कहे, वह दबाव में तो आ ही गया है। अब सफाई तो विपक्ष को ही देना है। यानी सत्तापक्ष लोकसभा में हार कर भी जीत गया और विपक्ष जीतकर भी हार गया।

संसद परिसर में विपक्ष की एक महिला सांसद कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के सामने खड़े होकर जोर-जोर से नारे लगा रही थी कि वे हार गए, वे हार गए, वे हार गए। ये इस बात का प्रतीक है कि विपक्षी दलों को महिलाओं के अधिकारों की कोई चिंता नहीं है। वो इस बात पर खुश हो रही थी कि संविधान संशोधन बिल को दो तिहाई बहुमत नहीं मिलने दिया। वैसे संख्या बल के हिसाब से देखें तो सत्ता पक्ष को निर्धारित 293 मतों से अधिक यानी 298 वोट मिले हैं, जबकि विपक्ष को

उसके निर्धारित 239 मतों से नौ कम यानी 230 मत ही मिले । और इस मामले का सर्वाधिक दुखद पहलू यह है कि इमरान प्रतापगढ़ी भी उस महिला की खुशी देखकर खुश हो रहे थे। उन्हें विधेयक रोकने से अधिक नरेंद्र मोदी के काम को रोक देने की खुशी थी।

इमरान प्रतापगढ़ी कहते हैं कि मोदी सरकार सिर्फ महिलाओं का पक्षधर होने का नैरेटिव गढ़ना चाहती थी। मोदी को महिलाओं के पीछे छिपना बंद कर देना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हमने महिला आरक्षण बिल को रोक दिया। इंडिया ने एनडीए को हरा दिया, भारत ने देख लिया। उन्हें भी इस बात की चिंता नहीं कि उन्होंने महिलाओं के हित वाला विधेयक पास होने में बाधा डाली। राहुल गांधी का आरोप है कि बिल के जरिए भाजपा देश का नक्शा बदलना चाहती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को यह बात मालूम था कि यह बिल पास नहीं होगा। पर वह इस बिल को महिलाओं के साथ जोड़ उनकी सिंपैथी लेना चाहती है। वे कहते हैं कि यह बिल महिलाओं, ओबीसी और दलितों के खिलाफ है। सपा के नेता

- विपक्ष को महिला विरोधी बताने का नैरेटिव सफल
- विपक्ष इस समय सफाई देने की मुद्रा में आ गया है

अखिलेश यादव और सांसद डिंपल यादव ने भी इस बिल को ओबीसी और मुसलमानों के खिलाफ बताया। उन्हें इस बात की बिल्कुल चिंता नहीं थी कि उनका भाषण पूरा देश सुन रहा था। इसी प्रकार असदुद्दीन ओवैसी ने इसमें मुसलमानों को अलग से आरक्षण देने ने की मांग कर विरोध किया। जवाब में गृहमंत्री ने साफ शब्दों में कहा कि संविधान में धार्मिक आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। कांग्रेस की सांसद प्रियंका गांधी तो कहती हैं कि ये बिल महिलाओं के लिए था ही नहीं।

संसद में दो तिहाई बहुमत न मिलने से 181 वां संविधान संशोधन बिल गिर जाने के बाद राहुल गांधी ने टीएमसी नेता अभिषेक एनर्जी को फोन कर उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। यह इस बात का प्रतीक है कि राहुल के कहने पर ही टीएमसी ने अपने सांसदों को बिल का विरोध करने को कहा था, अन्यथा खबर तो ये थी कि टीएमसी मतदान से अलग रहेगी। अब ऐसे में देखना यह होगा कि भाजपा इस मामले को पश्चिम बंगाल चुनाव में कैसे उठाती है। और 23 और 29 अप्रैल के मतदान में टीएमसी की क्या स्थिति होती है। फैसला आने के बाद तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने सोशल मीडिया पर एक आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए लिखा कि तमिलनाडु ने दिल्ली को हरा दिया। उनका यह बयान उनकी उत्तर भारत विरोधी गंदी सोच का परिणाम है। स्टालिन की पार्टी ने यह कहकर बिल का विरोध किया था कि इससे दक्षिण भारत के राज्यों का अधिकार कम होगा। हालांकि गृहमंत्री ने शंकाओं का समाधान कर दिया, लेकिन बात उनकी समझ में नहीं आई।

इस विधेयक के गिरने के बाद सोशल मीडिया पर गृहमंत्री अमित शाह ने लिखा कि 1971 में स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने महिला आरक्षण बिल को रोका था और आज उनके पोते के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने फिर इस बिल को रोक दिया है। पर देश की महिलाएं ये सब देख रही हैं। लोकसभा में चर्चा का जवाब देते हुए गृहमंत्री ने कहा कि महिलाओं के आरक्षण का विरोध करने वालों को इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा। आप जहां-जहां जाओगे, महिलाओं के विरोध का सामना करना पड़ेगा। और भागने का कोई रास्ता नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा अगर-मगर, किंतु-परंतु आदि शब्दों का इस्तेमाल कर कांग्रेस और उसके साथी दलों सपा, टीएमसी और डीएमके आदि ने महिलाओं को उनका अधिकार नहीं मिलने दिया। राहुल गांधी पर गृहमंत्री ने कहा कि भाषण देना वे कम से कम प्रियंका गांधी से ही सीखें, लेकिन सदन की गरिमा का ख्याल रखें। खैर, शाह ने कहा कि बात यहीं खत्म नहीं होगी, बात बहुत दूर तक जाएगी। यानी कि भाजपा इस मुद्दे को तूल देगी, और बहुत तूल देगी। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने भी कहा कि विपक्ष ने महिलाओं के साथ धोखाधड़ी की है।

बाद में एनडीए के दलों ने मीटिंग कर इस मुद्दे को बड़ी तेजी से उठाने की बात की है। उन्होंने अपनी महिला सांसदों को विरोध के लिए लगाया है। पूरे देश में महिलाओं को इसके लिए जागरूक किया जाएगा। विशेष जोर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु पर रहेगा।

इसके पहले संसद में जवाब देते हुए गृहमंत्री शाह ने साफ-साफ कहा था कि सभी राज्यों को उसके अनुपात में सीटें डेढ़ गुना कर देने का प्रावधान है। शाह ने तो यह भी कहा कि विपक्ष चाहे तो मैं इस मुद्दे पर एक संशोधन भी प्रस्तुत करने को तैयार हूं , लेकिन विपक्ष को उनकी बात समझ में नहीं आई। और अंततः बिल को दो तिहाई बहुमत से पारित नहीं होने दिया। मत विभाजन में कुल 528 सांसदों ने वोट दिया। इसमें से 298 सांसदों ने बिल के पक्ष में और 230 सांसदों ने बिल के विरोध में मतदान किया। जबकि बिल पास होने के लिए 352 सांसदों का समर्थन जरूरी था। यानी संख्या के लिहाज से मोदी सरकार पर कोई संवैधानिक संकट नहीं है।

होर्मुज के पास भारतीय तेल टैंकर पर फायरिंग

मस्कट/नई दिल्ली। ओमान के पास होर्मुज जलडमरुमध्य के नजदीक एक भारतीय तेल टैंकर पर फायरिंग की घटना सामने आई है, जिससे क्षेत्र में बढ़ते तनाव को लेकर चिंता और गहरा गई है। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरानी नौसेना द्वारा यह फायरिंग की गई, हालांकि आधिकारिक स्तर पर अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। 'जग अर्णव' नाम का यह भारतीय टैंकर करीब 20 लाख बैरल इराकी कच्चा तेल लेकर जा रहा था। घटना के समय एक अन्य भारतीय जहाज 'सन्मार हेराल्ड' भी उसी क्षेत्र में मौजूद था, लेकिन वह सुरक्षित रहा। जानकारी के मुताबिक, फायरिंग केवल 'जग अर्णव' पर की गई।

पकड़ा गया नोएडा श्रमिक आंदोलन हिंसा का मास्टरमाइंड

- पुलिस ने तमिलनाडु से आदित्य आनंद को दबोचा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में श्रमिक आंदोलन के दौरान हुई हिंसक घटनाओं के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए नोएडा पुलिस और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की संयुक्त टीम ने मुख्य साजिशकर्ता (मास्टरमाइंड) तीसरे आरोपी आदित्य आनंद को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर एक लाख रूपये का इनाम घोषित था और वह घटना के बाद से

लगातार फरार चल रहा था। शनिवार को पुलिस ने यह जानकारी दी कि, यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त के निर्देशन और अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) के पर्यवेक्षण में की गई।

एक महीने में करे सरेंडर, वरना होगी निर्णायक कार्रवाई

- सीआरपीएफ के स्पेशल डीजी का नक्सलियों को चेतावनी

एजेंसी

पश्चिमी सिंहभूम। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित सारंडा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से शनिवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के विशेष महानिदेशक) स्पेशल डीजी) दीपक कुमार ने बालिबा गांव स्थित 193 बटालियन कैंप का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने

कैंप में तैनात जवानों से मुलाकात कर उनका मनोबल बढ़ाया और जमीनी स्तर पर चल रहे ऑपरेशन की विस्तृत समीक्षा की। स्पेशल डीजी ने करीब दो घंटे तक कैंप में रुककर सुरक्षा रणनीतियों, ऑपरेशनल चुनौतियों और जवानों की आवश्यकताओं पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की। निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने नक्सलियों के खिलाफ सख्त रुख का संकेत देते हुए कहा कि सारंडा और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए एक महीने का अंतिम मौका दिया गया है। यदि वे इस अवधि में सरेंडर नहीं करते हैं, तो सुरक्षा बल उनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र में एंटी-नक्सल अभियान को तेज कर दिया गया है और आने वाले समय में सारंडा को नक्सलमुक्त बनाने की दिशा में ठोस परिणाम सामने आएंगे।

सीआरपीएफ के अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में इलाके में करीब 45 से 50 नक्सली सक्रिय हैं, लेकिन अब तक किसी भी संगठन की ओर से आत्मसमर्पण की पहल नहीं हुई है।

रश्मिरथी पर्व में शामिल होने 24 अप्रैल को लखनऊ आयेंगे शिवराज सिंह चौहान

- रश्मिरथी पर्व का शुभारम्भ करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी काव्यकृति रश्मिरथी के हीरक जयंती वर्ष के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित तीन दिवसीए 'रश्मिरथी पर्व' का शुभारम्भ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद डा. दिनेश शर्मा करेंगे। यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक व प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने शनिवार को लोकभवन में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान दी। सूर्यप्रताप शाही ने बताया कि इस अवसर पर मंचस्थ अतिथियों द्वारा 'रश्मिरथी से संवाद' स्मारिका का लोकार्पण भी किया जायेगा। परिसर में चित्रकार मनजीत सिंह के द्वारा राष्ट्रकवि दिनकर, स्वामी विवेकानन्द, लोकमान्य तिलक एवं अटल बिहारी बाजपेई के जीवन, संवाद एवं साहित्य पर आधारित चित्रकला प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी। कार्यक्रम के संयोजक ने बताया कि पहले दिन 24 अप्रैल को कालजयी काव्यकृति 'रश्मिरथी' पर आधारित नाट्य मंचन होगा। दूसरे दिन 25 अप्रैल को युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानन्द के जीवन पर नृत्य नाटिका दिखाई जायेगी। 26 अप्रैल को स्वराज्य के प्रणेता लोकमान्य तिलक के जीवन पर कलाकारों द्वारा नाट्य मंचन होगा। इसके अलावा 26 अप्रैल को भारत रत्न कवि अटल जी की कविताओं पर नृत्य नाटिका 'अटल स्वरांजलि' का मंचन होगा। सूर्यप्रताप शाही ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अश्वनी चौबे, पूर्व केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद तथा राष्ट्रकवि दिनकर के सुपौत्र ऋत्विक उदयन शामिल होंगे।

उत्तर प्रदेश की आबादी और खेल प्रतिभा को निखारने के लिए बीसीसीआई बनाए चार टीमें: मोहसिन रजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व राज्यमंत्री, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व रणजी क्रिकेटर मोहसिन रज़ा ने शनिवार को दिए अपने एक वीडियो संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश 25 करोड़ की विशाल जनसंख्या वाला राज्य है। यदि इसे एक देश माना जाए, तो यह दुनिया का छठा सबसे बड़ा मुल्क होगा, फिर भी यहां केवल एक मुख्य टीम है। आबादी के लिहाज से खिलाड़ियों को अधिक अवसर मिलने के लिए कई टीमों का होना आवश्यक बताया। वहीं एक टीम होने को सीमित अवसर वाला। मोहसिन रज़ा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में चार नई टीमों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की प्रतिभाओं के साथ न्याय करने के लिए रणजी ट्रॉफी सहित सभी आयु वर्गों (अंडर-16, अंडर-19, अंडर-23) में उत्तर प्रदेश की कम से कम चार टीमें होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मांग का मुख्य उद्देश्य उन ग्रामीण खिलाड़ियों को मंच देना है जो दिन-रात पसीना बहाते हैं उनमें प्रतिभाएं बहुत हैं, लेकिन सीमित अवसरों के कारण उच्च स्तर, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) या टीम इंडिया तक नहीं पहुँच पाते हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि प्रतिभा का पलायन रोकने के लिए टीमों की संख्या बढ़ाया जाना आवश्यक है। इससे राज्य के खिलाड़ियों को अन्य राज्यों या संस्थानों से खेलने के बजाए अपने ही प्रदेश से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। मोहसिन रजा ने कहा कि खिलाड़ियों के हित को ध्यान में रखते हुए कई टीमें बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई से माँग की गई है कि उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति, विशाल जनसंख्या और भरी मात्रा में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की संख्या को देखते हुए 'सहानुभूतिपूर्वक' निर्णय लें ताकि युवाओं का भविष्य संवर सके।

संक्षिप्त समाचार

महिला आरक्षण नहीं चाहते सपा व कांग्रेस : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता व उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस और सपा ने महिला आरक्षण बिल के विरोध में लोकसभा में वोट करके साफ जता दिया है कि वे लोकसभा व विधानसभाओं में महिला आरक्षण नहीं चाहते हैं। ये दल पुरुषवादी सोच की गिरफ्त में हैं और नहीं चाहते कि देश की भलाई में महिलाओं की बराबर भागीदारी हो। लेकिन इन दलों को भलीभांति समझ लेना चाहिए कि भाजपा महिला आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और इसे लागू करके रहेगी। उपमुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि सपा कांग्रेस को बेहतर तरीके से यह बात समझ लेनी चाहिए कि नारी शक्ति का आक्रोश दोनों महिला विरोधी दलों को आने वाले सालों में महंगा पड़ने वाला है। इसमें कोई शक नहीं कि वर्ष 2029 में कांग्रेस हाफ और वर्ष 2027 में यूपी में सपा साफ हो जाएगी। मुंगेरीलाल के हसीन सपने अब सपा बहादुर के हसीन सपने हो गए हैं जो किसी भी हालत में पूरे होने वाले नहीं हैं। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को कहा कि लोकसभा में ''नारी शक्ति वंदन अधिनियम'' के लिए आवश्यक संविधान संशोधन बिल को कांग्रेस, टीएमसी और समाजवादी पार्टी ने पारित नहीं होने दिया। देश की आधी आबादी, लगभग 70 करोड़ महिलाओं को विपक्ष द्वारा धोखा दिया गया है। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के बिल को गिरा देना, यह बहुत निंदनीय है। विपक्ष को 'महिलाओं का आक्रोश' न सिर्फ 2029 लोकसभा चुनाव में बल्कि हर स्तर, हर चुनाव और हर स्थान पर झेलना पड़ेगा। महिलाओं को सम्मान देने का हमारा अभियान जारी रहेगा और हम अधिकार देकर ही रहेंगे।

असिस्टेंट प्रोफ़ेसर भर्ती परीक्षा के दौरान लगी आग, प्रिंसिपल का कमरा जला

लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर इलाके में जीजीआईसी में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर भर्ती परीक्षा के दौरान आग लग गई। मौके पर मौजूद कॉलेज प्रशासन ने तुरंत परिसर खाली करा दिया। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके से पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। गोमतीनगर के विनयखंड स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में शनिवार सुबह भर्ती परीक्षा में अभ्यर्थी बैठे थे। इसी दौरान एसी में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग लग गई। इस दौरान एक कमरे से धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। मौके पर मौजूद कॉलेज प्रशासन ने परीक्षा केंद्र पर मौजूद अभ्यर्थियों और स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। सूचना पर दमकल विभाग की टीम पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग बुझने के बाद सेंटर पर फिर से शुरू कराया गया। आग प्रिंसिपल ऑफिस में लगे एसी में शार्ट सर्किट से लगी थी। आग से प्रिंसिपल रूम जल गया। कोई भी जनहानि नहीं हुई है। कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफ़ेसर भर्ती परीक्षा का पेपर चल रह था। इसका समय सुबह 9.30 बजे से 11.30 बजे तक निर्धारित था।

1180 बोरी पीओपी धोखाधड़ी का खुलासा,गोसाईगंज पुलिस ने 72 घंटे में 3 आरोपियों को पकड़ा

लखनऊ। मोहनलालगंज पुलिस ने 1180 बोरी पीओपी (सकरनी ब्रांड) की धोखाधड़ी का खुलासा किया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से पूरी 1180 बोरी पीओपी, दो मोटरसाइकिल और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। यह कार्रवाई मात्र 72 घंटे के भीतर की गई। पुलिस के अनुसार, यह धोखाधड़ी तब हुई जब राजस्थान से बाराबंकी जा रहे एक ट्रक को रास्ते में फोन कॉल कर रोका गया। आरोपियों ने खुद को फर्जी फर्म मालिक बताया और ट्रक चालक को गोसाईगंज क्षेत्र में माल उतरवाने का झांसा दिया। इसके बाद, नकली मुंशी भेजने की बात कहकर चालक को विश्वास में लिया गया। कुछ ही देर बाद, तीन आरोपी डाला और ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रक से पीओपी की बोरियां उतरवाईं और उन्हें ग्राम कबीरपुर स्थित एक किराए के कमरे में छिपा दिया। घटना का खुलासा तब हुआ जब बाराबंकी स्थित असली फर्म से संपर्क किया गया और पता चला कि माल वहां पहुंचा ही नहीं है।

कार की टक्कर से बीडीसी की मौत, लोगों ने कार ड्राइवर को दौड़ाकर पकड़ा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। दुबग्गा में कार की टक्कर से एक ठक्ब की मौत हो गई। तेज रफ्तार इऑन कार ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मारी। जिससे वह खून से लथपथ होकर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने कार ड्राइवर को दौड़ाकर पकड़ लिया और बीडीसी सदस्य को गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया। वहां उसने दम तोड़ दिया। घटना काकोरी थाना क्षेत्र के बेहटा चौराहे पर शनिवार को हुई। मृतक की पहचान खुर्रमपुर बेहटा के नौमीलाल यादव के बेटे आशीष यादव (38) के रूप हुई। वह अपने दोस्त मनीष रावत के साथ गांव से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान गांव से निकलते ही यह दुर्घटना हो गई। इसमें आशीष को गंभीर चोटें आईं और उनका दोस्त मामूल चोटिल हुआ। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद की। उन्होंने कार ड्राइवर बृजेश पटेल (पुत्र ओमकार नाथ पटेल, निवासी मवई पंडियाना) को पकड़ लिया और पुलिस को घटना की सूचना दी। गंभीर रूप से घायल आशीष यादव को तत्काल सरोजिनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया गया था। डॉक्टरों ने उनका इलाज शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक आशीष यादव की पत्नी पूनम का रो-रोकर बुरा हाल है। उनकी दो बेटियां पीहू-रूही और एक बेटा रौनक है। हादसे में जान गवाने वाले आशीष यादव सरोजिनीनगर ब्लॉक में बीडीसी पद पर थे। वह किसी काम से सुबह 10.00 बजे दोस्त मनीष के साथ मोटरसाइकिल से कैसरबाग कोर्ट जा रहे थे। आशीष एक प्राइवेट स्कूल में वैन चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। ग्रामीणों के अनुसार, उनका स्वभाव बेहद मिलनसार था। काकोरी थाना के प्रभारी निरीक्षक सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि घटना की सूचना पर मृतक के परिजन अस्पताल पहुंचे। शव का पंचायतनामा भरा गया है।

विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास न होने पर किया प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास न होने पर विरोध जताया और प्रदर्शन किया। इस दौरान संगठन के सदस्यों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, एमके स्टालिन समेत अन्य विपक्षी नेताओं की तस्वीर को पैरों से रौंदा। प्रदर्शनकारियों ने महिला विरोधी सोच वाली कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की और नोकझोंक हुई। स्थिति को देखते हुए मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर हालात को नियंत्रित किया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने कहा कि सपा और कांग्रेस का महिला विरोधी चेहरा उजागर हो गया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम बिल को सदन में गिराकर कांग्रेस सपा और विपक्षी दलों ने महिलाओं के अधिकार को उनसे वंचित करने की कोशिश की। विश्व हिंदू रक्षा परिषद इसका कड़ा विरोध करती है । हम लोग अपने कार्यालय से निकलकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का दफ्तर जा रहे थे। लेकिन हमें पहले ही रोक लिया गया। प्रदर्शन कर रही सोफी शर्मा ने कहा कि विपक्ष इस बिल का विरोध क्यों कर रहा है। हमें इसका कारण समझ में नहीं आ रहा है। जो महिला सशक्तिकरण. इक्वलिटी, सपोर्ट समर्थन और सम्मान की बात करते थे यह सब कहां गया हमें बताएं। इस बिल से फायदा होता है या नुकसान जो भी होता महिलाओं का होता। विपक्ष इसमें बोलने वाला कौन होता है। महिलाओं को मिलने वाले 33: आरक्षण बिल को पास क्यों नहीं होने दिया। विपक्ष हमें इसका जवाब दे। विपक्ष का काम है हर चीज को नीचे गिराना। हम लोगों में इतनी खुशी की लहर थी। कल भी हमने यहां पर हवन किया था। मिठाई बांटने की तैयारी कर रहे थे मगर अब सब मायूसी में बदल गया। 33: आरक्षण से महिलाएं आगे बढ़ती हर क्षेत्र में वह तरक्की करती। प्रदर्शन कर रही एक महिला को जब पुलिस ने बैरिकेड लगाकर रोका तो वह भड़क गई। नाराज महिला ने कहा, क्या हम लोग आतंकवादी हैं, जो हमें कहीं जाने नहीं दिया जा रहा है? हमें शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना है और सपा व कांग्रेस से उनके कार्यालय जाकर सवाल पूछने हैं। प्रियंका गांधी कहती हैं, 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं', तो आज लड़कियों के लिए क्यों नहीं लड़ रही हैं? क्यों पीछे हट रही हैं? सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी नहीं चाहतीं कि महिलाएं उनके बराबर आएं, इसलिए महिला आरक्षण का विरोध किया जा रहा है। हम रुकने वाले नहीं हैं, इन पार्टियों का घेराव आज नहीं तो कल जरूर करेंगे।

सड़क हादसे में मोटर साइकिल सवार की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के काकोरी थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह सड़क हादसे में एक मोटर साइकिल सवार व्यक्ति की मौत हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी। वहीं घटना में कार चालक को हिरासत में लिया गया है। काकोरी थाना प्रभारी सतीश चन्द्र ने बताया कि आज सुबह बेहटा चौराहा पर एक कार (यूपी 32 जेडब्ल्यू 8720,) की एक मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार ग्राम बेहटा निवासी आशीष यादव (40) घायल हो गये। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से उन्हें तत्काल सीएचसी सरोजिनी नगर भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। काकोरी थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना पर मृतक के परिजन अस्पताल पर मौजूद हैं। दुर्घटना में सम्मिलित कार को पुलिस ने कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में लिया है। तहरीर प्राप्त कर अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है तथा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

समाधान दिवस में भूमि विवाद की शिकायतें आई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के सरोजनीनगर तहसील कार्यालय में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसीलदार सुखबीर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस दिवस में भूमि विवाद, अवैध कब्जे और अवैध प्लाटिंग से संबंधित शिकायतों की भरमार रही। फरियादियों ने कई गांवों की सरकारी और पैतृक जमीनों पर कब्जे तथा अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को इन शिकायतों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मिर्ज़ापुर (बेंती) निवासी राम सुमेर ने गाटा संख्या 1132 को लेकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि यह भूमि उनकी पैतृक संपत्ति है, जिसमें सभी भाइयों का हिस्सा है, लेकिन राजस्व अभिलेखों में अभी तक इसका बंटवारा नहीं हुआ है। इसके बावजूद उनके चचेरे भाई गया प्रसाद और अन्य लोग जमीन पर जबरन निर्माण करा रहे हैं। राम सुमेर ने निर्माण कार्य रुकवाने की मांग की। इसी तरह हरिहरपुर के भाजपा बूथ अध्यक्ष मुकेश कुमार यादव ने सरकारी अभिलेखों में ऊसर, बंजर और तालाब के रूप में दर्ज जमीन पर अवैध प्लाटिंग कर उसे बेचे जाने का आरोप लगाया। उन्होंने इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। सिविल कोर्ट से जुड़े संदीप सिंह ने ग्राम सभा बिजनौर की गाटा संख्या 956 की भूमि पर कब्जा कर प्लाटिंग किए जाने की शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री पोर्टल पर पहले भी शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। आरोप है कि सरकारी जमीन पर कब्जा कर उसे खुलेआम बेचा जा रहा है। खटोला निवासी राजेश कुमार ने रतौली गांव की पशु मरघट भूमि (खसरा संख्या 144) पर प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत की। उन्होंने इस जमीन को कब्जा मुक्त कराने की मांग की। इन प्रमुख शिकायतों के अलावा, अन्य फरियादियों ने भी अपनी विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं।

स्मार्ट मीटर से बढ़ी परेशानी, महिलाएं, बोलीं, बिना बताए प्रीपेड को पोस्टपेड में बदल दिया

लखनऊ। राजधानी में स्मार्ट मीटर को लेकर लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। फॉल्ट होने के कारण कई लोगों को घंटों तक बिजली कटौती से जूझना पड़ा है। इसी कड़ी में अहिबरनपुर में 11 केवी लाइन की गार्डिंग टूटने के कारण 1 घंटा तक लाइट प्रभावित रही। शिवनगर में भी करीब 1 घंटे तक लाइट गायब रही। इसी समस्या को लेकर मनकामेश्वर वार्ड की महिलाएं स्थानीय पार्षद रंजीत सिंह यादव के पास शिकायत लेकर पहुंचीं। महिलाओं का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से बिजली बिल ज्यादा आ रहा है। कई बार बिल माइनस में जाने के कारण अचानक बिजली काट दी जाती है। जिससे उन्हें दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। महिलाओं की शिकायत को पार्षद ने विधायक नीरज बोरा तक पहुंचाकर महिलाओं को कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर के कारण समस्या बढ़ गई है। बिना जानकारी दिए ही प्रीपेड को पोस्ट पेड मीटर में बदल दिया गया। जिससे गरीब लोग परेशान हो रहे हैं।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने विकास नगर की झुग्गी-झोपड़ी बस्ती में लगी आग का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय सामाजिक कार्यकर्ता संगठन के संयोजक मोहम्मद आफाक के नेतृत्व में सामाजिक कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने विकास नगर की झुग्गी-झोपड़ी बस्ती में लगी भीषण आग के बाद प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। प्रतिनिधिमंडल में हाजी फहीम सिद्दीकी (राष्ट्रीय अध्यक्ष, इंडियन नेशनल लीग), मोहम्मद शमीम अख्तर (निदेशक, नूर कंप्यूटर सेंटर), मोहम्मद उस्मान अंसारी, मोहम्मद हुसैन, सौरभ श्रीवास्तव, मोहम्मद सलमान सहित अन्य लोग शामिल थे। इस दौरान प्रभावित लोगों की स्थिति देखकर प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों ने गहरा दुख व्यक्त किया। इस हृदयविदारक घटना ने सैकड़ों परिवारों को एक पल में बेघर कर दिया है, जबकि हजारों लोग गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। पीड़ित लोग खुले आसमान के नीचे भीषण गर्मी में अपने जले हुए सामान और राख के साथ अत्यंत दयनीय स्थिति में जीवन यापन कर रहे हैं। मोहम्मद आफाक ने बताया कि अल्लाह के करम से कई सामाजिक और सेवा संगठन पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए हैं। कुछ संस्थाएं भोजन और पानी उपलब्ध करा रही हैं, जबकि कुछ ने मेडिकल कैंप लगाकर इलाज की व्यवस्था की है और कई लोग राशन के रूप में सहायता पहुंचा रहे हैं। उन्होंने अपील की कि मदद करते समय सावधानी बरती जाए और अधिकतर सूखा भोजन या आर्थिक सहायता दी जाए, क्योंकि भीषण गर्मी के कारण पका हुआ (गीला) भोजन जल्दी खराब हो जाता है, जिससे बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाता है।मोहम्मद आफाकघ ने आगे बताया कि पीड़ितों की सहायता के लिए ऑल इंडिया जमीयतुल कुरैश के कार्यालय, शारख बिल्डिंग, बलूचपुरा में एक राहत शिविर स्थापित किया गया है। जो भी लोग सहायता करना चाहते हैं, वे वहां पहुंचकर अपना सहयोग प्रदान करें। इसके अलावा कई अन्य सामाजिक संगठन भी पीड़ितों तक मदद पहुंचाने में लगे हुए हैं।स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि पूरे क्षेत्र में केवल एक ही शौचालय है, जिसके कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस स्थिति को देखते हुए सरकार और नगर निगम से मांग की गई है कि तुरंत साफ-सफाई के उचित इंतजाम किए जाएं और अस्थायी शौचालय की व्यवस्था की जाए, ताकि पीड़ितों की समस्याओं को कम किया जा सके।

भीषण गर्मी में राहत की तैयारी, यूपी में 34 हजार मेगावाट बिजली आपूर्ति का लक्ष्य

लखनऊ उत्तर प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच बिजली संकट से निपटने के लिए योगी सरकार ने व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं। ऊर्जा विभाग ने इस वर्ष पीक डिमांड को ध्यान में रखते हुए लगभग 34,000 मेगावाट बिजली उपलब्ध कराने की रणनीति तैयार की है, जिससे उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

ऊर्जा विभाग के मुताबिक अप्रैल से सितंबर के बीच बिजली की मांग में तेज बढ़ोतरी होती है। इस वर्ष जून में पीक डिमांड करीब 33,375 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि मई और जुलाई में यह 31 से 32 हजार मेगावाट के बीच रह सकती है। बढ़ती मांग को देखते हुए सभी नए थर्मल पावर प्लांट यूनिट्स को चालू कर दिया गया है। घाटमपुर, खुर्जा, पनकी, ओबरा और जवाहरपुर जैसी प्रमुख परियोजनाओं से उत्पादन शुरू हो चुका है, जिससे राज्य की बिजली उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। विशेष रूप से घाटमपुर परियोजना की तीसरी यूनिट 30 अप्रैल तक चालू होने की संभावना है, जिससे आपूर्ति और मजबूत होगी। पीक आवर्स में करीब 80 प्रतिशत बिजली की मांग पहले से किए गए लॉन्ग टर्म एमओयू के जरिए पूरी की जाएगी। इन माध्यमों से जरूरत के समय अतिरिक्त बिजली खरीदी जाएगी, जिससे आपूर्ति और मांग के बीच संतुलन बना रहेगा। इसके अलावा, अन्य राज्यों के साथ लगभग 4,663 मिलियन यूनिट बिजली की बैंकिंग व्यवस्था भी की गई है।

बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करें: प्रेमावती

■ बाबा साहब भीमराव अंबेडकर सम्मान समारोह संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कार्यक्रम में मौजूद जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमवती — फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। ब्लॉक सभागार टोडरपुर में भाजपा द्वारा चलाए जा रहे बाबा साहब भीमराव अंबेडकर सम्मान समारोह के अंतर्गत एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती एवं विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय सदस्य भाजपा अनुसूचित मोर्चा महेंद्र वाल्मीकि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता टोडरपुर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि ने की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने बाबा साहब अंबेडकर के विचारों को सभा में बैठे हुए सभी लोगों के साथ साझा किया एवं सभी वर्गों तक उन विचारों को पहुंचाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा बाबा साहब ने संविधान की रचना कर देश वासियों को एक अलग पहचान दिलवाई। आप सभी अपने बच्चों को शिक्षा जरूर ग्रहण करवाए। शिक्षा ही आज के बच्चों और युवाओं का भविष्य है।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र वाल्मीकि ने भाजपा द्वारा लाए जा रहे नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध पर विपक्ष पर निशाना साधा और इंडी गठबंधन विपक्ष को महिला हितों के विपरीत कार्य करने वाला बताया। उन्होंने कहा एक पढ़ी लिखी महिला अपने परिवार को ही बल्कि समाज को भी एक अलग दिशा देती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने कहा भाजपा सरकार ने सभी वर्ग के लोगों को बिना भेदभाव जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के जरिये महिलाओं को स्वाबलम्बी बनाते हुए उन्हें सशक्त करने का कार्य भाजपा सरकार ने किया है। इस अवसर पर ब्लॉक टोडरपुर के कर्मचारी प्रधान गण और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि सभा का किया गया आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सनमानी वैश्य धर्मशाला रेलवे गंज हरदोई में सनमानी वैश्य समाज सेवा समिति के अध्यक्ष रामकिशोर गुप्ता 'गुड्डू' की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें समिति के संरक्षक कैलाश गुप्ता संजीव गुप्ता निन्हें अध्यक्ष श्यामकुमार टीटू महामंत्री संजय गुप्ता मनोज रोहापुर कोषाध्यक्ष रजनीश गुप्ता सूरज गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष मुकेश गुप्ता बाबू मुंशी सुशील गुप्ता संदीप गुप्ता डब्लू गुप्ता आशीष गुप्ता सहित सैकड़ों पदाधिकारियों पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न

शिकायत सुनते एसडीएम अंकित तिवारी — फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। शनिवार को तहसील सभागार में एसडीएम अंकित तिवारी की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें पुलिस और राजस्व से संबंधित 59 शिकायतें आईं। जिनमें से 7 शिकायतों का निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को निस्तारित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। इस मौके पर एसडीएम अंकित तिवारी ने कहा सभी अधिकारी और कर्मचारी संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों का मौके पर जाकर निस्तारण करें। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बिल्कुल बर्दाशत नहीं की जाएगी। इस मौके पर तहसीलदार संध्या यादव, नायब तहसीलदार संतोष कुशवाहा सहित समस्त राजस्व निरीक्षक और लेखपाल सहित तहसील का स्टाफ मौजूद रहा।

मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के लिये 30 मई तक करे आवेदन: सुष्मिता सिंह

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी सुष्मिता सिंह ने बताया है, कि मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के अन्तर्गत जनपद को वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु 10 इकाईयाँ पूँजी निवेश 50.00 लाख एवं 200 रोजगार का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में उ0प्र0 शासन द्वारा अधिक से अधिक लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु शिक्षित बेरोजगारों पालिटेक्निक/आई0टी0आई0 पास तकनीकी रूप से प्रशिक्षण प्राप्त एवं परम्परागत कारीगरों तथा व्यवसायिक शिक्षा (10$12) के अन्तर्गत ग्रामोद्योग विषय लेकर उत्तीर्ण छात्रध्छात्राओं जिनकी आयु 18 वर्ष से कम तथा 50 वर्ष से अधिक न हो ऐसे इच्छुक नवयुवकध्नवयुवतियों से मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के ई-पोर्टल mmgrykhadi.upsdc.gov.in पर 30 मई, 2026 तक आवेदन आमंत्रित किये जाते है। इस योजना के अन्तर्गत रू0-10.00 लाख तक के प्रोजेक्ट अनुमन्य है। जिनमें सामान्य जाति के पुरुष लाभार्थियों को प्रोजेक्ट कास्ट का 10 प्रतिशत अंशदान तथा टर्मलोन (पूँजीगत ऋण) पर 4 प्रतिशत ब्याज उद्यमी द्वारा शेष ब्याज उपादान टर्मलोन पर शासन द्वारा इकाई कार्यरत होने के दशा में उपलब्ध कराया जायेगा, इसके अतिरिक्त अन्य सभी वर्गों एवं सभी वर्ग की महिलाओं को प्रोजेक्ट कास्ट का 5 प्रतिशत अंशदान तथा (पूँजीगत ऋण) पर समस्त व्याज उपादान शासन द्वारा इकाई कार्यरत होने की दशा में बैंक के द्वारा त्ज्ळै के माध्यम से किया जायेगा। मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना के ई-पोर्टल पर अपना फोटो, शैक्षित योग्यता, आधार कार्ड, जाति प्रमाण-पत्र, ग्राम प्रधान द्वारा सत्यापित कार्यस्थल की प्रमाणित प्रमाण-पत्र एवं प्रोजेक्ट रिपोर्ट बेवसाइड पर अपलोड कर सकते है। अधिक जानकारी के लिये जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, हरदोई किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क करें।

देश में बढ़ती विकृत जिहादी मानसिकता, अवैध कब्जों एवं सुनियोजित षड़यंत्रों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो सुनिश्चित: बजरंगदल

■ बजरंगदल हरदोई ने विरोध प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विहिप, बजरंग दल के कार्यकर्ता इस ज्ञापन के माध्यम से देश में वर्तमान में व्याप्त गंभीर चुनौतियों और समाज विरोधी गतिविधियों की ओर आपका ध्यानाकर्षण करना चाहते हैं। देश के सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने वाली 'विकृत जिहादी मानसिकता' वर्तमान में राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा और सद्भाव के लिए एक बड़ा खतरा बन गई है। देश भर से आये विभिन्न मामलो में पुरुषों के साथ महिलाएँ भी इस विकृत जिहादी कार्यो में सम्मलित पाई गई।

ज्ञापन के मुख्य बिंदु निम्नलिखित हैं-**लव जिहाद का षड्यंत्र:**- हाल ही में नासिक (TCS) जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के आसपास उजागर हुए प्रकरणों से स्पष्ट है कि लव जिहाद का जाल अब सुशिक्षित समाज और व्यावसायिक क्षेत्रों तक फैल चुका है। **हिन्दू कन्याओ का शारीरिक शोषण:**- उत्तर प्रदेश के जिहादी छंगुर उर्फ जमालुद्दीन ओर उसकी महिला सहयोगी नसरीन ने अनेकों हिन्दू कन्याओं का शारीरक शोषण कर ब्लैकमेल ओर जबरन धर्मान्तरण करवाया। **अल-फलाह यूनिवर्सिटी-आतंकी कनेक्शन:**- दिल्ली लाल किले ब्लास्ट में भी अल फ़लाह यूनिवर्सिटी से जुड़े जिहादी मानसिकता के मुस्लिम डॉक्टरों ने बम ब्लास्ट किया जिसमे महिला डॉक्टर शाहीन भी शामिल है। **अवैध लैंड जिहाद:**- देश के विभिन्न नगरों में वन भूमि, सार्वजनिक भूमि, रेल विभाग एवं सेना की सुरक्षित भूमि पर सुनियोजित तरीके से अवैध कब्जे किए जा रहे हैं, जो सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती है। **अपवित्र खान-पान:**- समाज में वैमनस्य फैलाने के उद्देश्य से खान-पान की वस्तुओं को अपवित्र करने की घटनाएँ निरंतर सामने आ रही हैंए जिससे नागरिकों की धार्मिक भावनाओं और स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। **हिंदू परिवारों का उत्पीड़न:**- मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में अल्पसंख्यक हिंदू परिवारों और जनजाति समाज की अवयस्क बालिकाओं का शारीरिक व मानसिक शोषण कर उन्हें पलायन के लिए विवश किया जा रहा है। **हमारी मांगें:**- ऐसी राष्ट्र विरोधी और आपराधिक मानसिकता वाले तत्वों को चिह्नित कर उनके विरुद्ध त्वरित एवं कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। सार्वजनिक एवं सरकारी भूमि पर हुए सभी अवैध कब्जों को तत्काल हटाया जाए। लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण जैसे कृत्यों को रोकने हेतु कठोर केंद्रीय कानून लागू किया जाए। जनजातीय क्षेत्रों में हो रहे शोषण को रोकने हेतु विशेष सुरक्षा तंत्र विकसित किया जाए। बजरंग दल राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए प्रतिबद्ध है। हम मांग करते हैं कि प्रशासन इन असामाजिक तत्वों पर नकेल कसे ताकि देश में शांति और सद्भाव बना रहे। विरोध प्रदर्शन में बजरंग दल के जिलासहसयोजक प्रशांत सिंह ए विहिप के जिला विशेष सम्पर्क प्रमुख नागेंद्र एजिलाउपाध्यक्ष सीतू रस्तोगी एव् नगर अध्यक्ष सचिन आदि सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल हुए।

चलती फिरती जिंदगी पर अचानक ब्रेक: तेजी से बढ़ रहे हार्ट अटैक के मामले

■ सेवानिवृत राजस्व निरीक्षक की हार्ट अटैक से मृत्यु

राष्ट्रीय प्रस्तावना

राकेश कुमार सिंह की फाइल फोटो

कछौना (हरदोई)। इन दिनों तेजी से बढ़ रहे हार्ट अटैक के मामलों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है खास बात यह है कि अभी समस्या केवल बुजुर्गों तक ही सीमित नहीं रही बल्कि युवा वर्ग भी तेजी से इसकी चपेट में आ रहा है जो एक गंभीर चेतावनी है!

प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे गंज निवासी सेवानिवृत्त राजस्व निरीक्षक राकेश कुमार सिंह के सीने में दर्द को लेकर परिजन लखनऊ के लारी अस्पताल पहुंचे! जहां मात्र कुछ घंटे इलाज के बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया! लोगों की माने तो मात्र एक सप्ताह में यह केवल नगर की तीसरी बड़ी घटना है! स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार इसकी बदलती जीवन शैली अनियमित खानपान तनाव और शारीरिक गतिविधियों की कमी इसके प्रमुख कारण है! जंक फूड का बढ़ता चलन धूम्रपान और शराब का सेवन देर रात तक जागना दिल की सेहत पर भारी पड़ रहा है! इसके साथ कोरोना काल के बाद भी कई लोगों में हृदय संबंधी समस्याएं बढ़ी हैं जिससे खतरा और भी बढ़ गया है! डॉक्टरों का कहना कि हार्ट अटैक बिना किसी बड़ी चेतावनी के अचानक आता है लेकिन शरीर पहले कुछ संकेत जरूर देता है जैसे सीने में दर्द जकड़न सांस लेने में दिक्कत बाएं हाथ या जबड़े में दर्द अत्यधिक पसीना और घबराहट जैसे लक्षणों को हल्के में लेना भारी पड़ सकता है! विशेषज्ञ ने लोगों से अपील की है कि वे अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें! नियमित व्यायाम संतुलित आहार तनाव से दूर और समय-समय पर स्वास्थ्य की जांच से इस खतरे को काफी हद तक दूर किया जा सकता है! तेजी से बदलते जीवन शैली के बीच हार्ट अटैक खामोश खतरा बनकर उभर रहा है समय रहते सावधानी और जागरूकता ही इस अचानक आने वाले खतरे का सबसे बड़ा उपाय है!

शौच के लिए तालाब पर गए ग्रामीण की पैर फिसलने के कारण तालाब में डूबकर मौत

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सिकंदरपुर नरकतरा गांव में शनिवार की सुबह ०6:00 बजे शौच के लिए गए एक 58 वर्षीय ग्रामीण की तालाब में पैर फिसल जाने के कारण डूब कर मौत हो गई। सूचना पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। कोतवाली क्षेत्र के सिकंदरपुर नरकतरा गांव के रहने वाले 58 वर्षीय रामकुमार सुबह शौच के लिए तालाब पर गए थे। जब वह तालाब पर शौच करने के लिए आगे बढ़े तो उनका पैर फिसल गया और तालाब में पहुंच कर गहरे पानी में डूब कर उनकी मौत हो गई। खेतों में काम करने वाले जब तालाब पर पहुंचे तो उन्होंने देखकर सूचना परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन तालाब पर पहुंचे तब रामकुमार का शव बाहर निकाला गया। परिजनों का रो.रो कर बुरा हाल है। पुलिस को सूचना दी गई है।

युवक ने पेड़ में गमछा का फंदा लगाकर आत्महत्या की

माधौगंज (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। ईट भट्ठे पर मजदूरी करने वाले युवक ने अज्ञात कारणों के चलते चांदी के पेड़ में गमछा का फंदा लगाकर

आत्महत्या कर ली। पुलिस ने जेब में मिले मोबाइल से परिजनों को घटना की सूचना दी। थाना क्षेत्र के ग्राम घेघईया मजरा बढ़नवा निवासी त्रिवेणी (32) पुत्र उमाशंकर ने शनिवार को ग्राम रुदामऊ न्यारा पेट्रोल पंप के पीछे स्थित बाग में चांदी के पेड़ से ग्रामीणों ने शव लटका हुआ देखा। सूचना पर पहुंचे थाना अध्यक्ष विजय कुमार ने शव के शिनाख्त के लिए ग्रामीणों को बुलाया इस समय मृतक के लोअर में मोबाइल फोन बजने की घंटी सुनाई पड़ीण् पुलिस ने फोन से परिजनों को घटना की सूचना दी। परिजन घटनास्थल पर पहुंचे मृतक के चाचा रिंकू कुशवाहा ने बताया कि त्रिवेणी ने गांव के कई लोगों से फोन पर जंगल में फाँसी लगा लेने की बात कहीण् तबसे वह परिवार के साथ ढूंढ रहे थे लेकिन उसका पता नहीं चला मृतक के सुनैना (09), सत्यम (07), दीपक (05) वर्ष के बच्चे हैं पत्नी रिंकी ने कहा कि वह गौरा रोड स्थित ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने के लिए शनिवार की सुबह लगभग ०7:00 बजे घर से गए थे उसके बाद उनकी मृत्यु की सूचना मिली है। थानाध्यक्ष ने कहा फॉरेनसिक टीम के साक्ष्य एकत्र करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

गोमती नदी किनारे मिला अज्ञात शव, पुलिस ने शिनाख्त के प्रयास शुरू किए

कोथावाँ (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेनीगंज के प्रताप नगर क्षेत्र में बरगदिया घाट के पास गोमती नदी के किनारे एक अज्ञात शव मिला है। पुलिस ने शव को बरामद कर उसकी शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। मृतक की उम्र करीब 50 वर्ष आंकी गई है। जानकारी के अनुसारए दोपहर करीब 3 बजे उधर से गुजर रहे पशु चरवाहों ने गोमती नदी के किनारे अधेड़ का शव पड़ा देखा। उन्होंने तत्काल इसकी सूचना बेनीगंज पुलिस को दी।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को नदी के पानी से बाहर निकलवाया और उसकी शिनाख्त का प्रयास कियाए लेकिन सफलता नहीं मिली। मृतक के शरीर पर मैरून रंग की मटमैली शर्ट और काले रंग की जीन्स पैंट थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शव करीब 3 से 4 दिन पुराना लग रहा है जिसे जंगली जानवरों ने कई जगह से नोचने का प्रयास किया है। इंस्पेक्टर मार्कण्डेय सिंह के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

हरदोई में फोटोग्राफर्स एसोसिएशन की नई टीम का गठन, वर्कशॉप भी आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। उत्तर प्रदेश फोटोग्राफर्स एसोसिएशन की हरदोई इकाई का औपचारिक गठन किया गया। वर्ष 2018 में गठित कमेटी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद यह नई टीम घोषित की गई। जिला अध्यक्ष दीपक कपूर ने पूर्व में त्यागपत्र देकर विनोद दीक्षित को जिला प्रभारी नामित किया था, जिसके क्रम में आज शेष पदों पर भी चयन प्रक्रिया पूर्ण की गई। इस दौरान किसी भी पद के लिए एक से अधिक नामांकन न होने के कारण चुनाव की आवश्यकता नहीं पड़ी और सर्वसम्मति से पदाधिकारियों का चयन किया गया। नई टीम में संजीव सिंह को अध्यक्ष, दुर्गेश अवस्थी व तालिब अब्बास जैदी को उपाध्यक्ष बनाया गया। विनोद दीक्षित जिला प्रभारी, शिवम राठौर महामंत्री, गौरव वर्मा, अभिषेक प्रजापति व अनुराग तिवारी रामूष् राजेश राजवंशी मंत्री चुने गए। वहीं नवल किशोर को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। टीम गठन से पूर्व सुबह 9 बजे कैनन कैमरा कंपनी द्वारा सिनेमैटिक वीडियोग्राफी वर्कशॉप आयोजित की गई। इस वर्कशॉप में मेंटर अमित सक्सेना ने फोटोग्राफर्स और वीडियोग्राफर्स को सिनेमैटोग्राफी की बारीकियों के साथ कैमरा सेटिंग्स की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान लखनऊ से आईं अपूर्वा अस्थाना ने मॉडल के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रदेश प्रवक्ता व हरदोई टीम के संयोजक दीपक कपूर ने सभी उपस्थित फोटोग्राफर्स का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में रोहित गुप्ता, अभिषेक सिंह, आशुतोष, कुलदीप राजवंशी, दयाशंकर, सिद्धार्थ, राजकुमार, गौरव कुमार, गौरव गुप्ता, देवराज, राजेश, लोकेश, राहुल, शिवांशु त्रिपाठी, विपिन, संदीप कुमार, रवि गुप्ता, कमल सहित बड़ी संख्या में फोटोग्राफर्स मौजूद रहे।

सिलेंडर में आग लगी, पुलिस सजगता से बची

आग बुझाने के लिए दौड़े मोहल्ले के लोग — फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। मोहल्ला गिलजई में खाना बनाते समय सिलेंडर से आग लग गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस की ततपरता से आग पर काबू पाया गया। आग से जान माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है। पीड़ित उपेंद्र गुप्ता की नातिन का विवाह 20 अप्रैल को होना है।शनिवार को पूरा घर मेहमानों से भरा था। दोपहर करीब ०2:30 बजे खाना बनाते समय अचानक सिलेंडर ने आग पकड़ ली। आग देखकर बारात वाले घर में कोहराम मच गया। मोहल्ले और घर वालों ने बालू और पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग और भड़क उठी। मोहल्ले के लोग आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े। प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय को आग लगने की सूचना दी गई। प्रभारी निरीक्षक ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत अग्नि शमन दल की शाहाबाद की टीम को मौके पर भेजा और आग बुझने तक खुद पल पल की अपडेट लेते रहें। दमकल कर्मियों द्वारा मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग में जान माल का नुकसान नहीं हुआ। पुलिस की त्वरित कार्यशैली पर पीड़ित परिवार ने भूरि भूरि प्रशंसा की है।

आर्य कन्या महाविद्यालय हरदोई में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। शनिवार को आर्य कन्या महाविद्यालय हरदोई में अर्थशास्त्र परिषद द्वारा 'ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में स्वयं सहायता समूहों (SHGs) की भूमिका' विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के औपचारिक शुरुआत प्राचार्य डॉ सुमन वर्मा एवं सभी प्राध्यापिकाओं के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ प्रियंका आर्य द्वारा किया गया। इस प्रतियोगिता में 22 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। छात्राओं ने अपने पोस्टरों के माध्यम से दर्शाया कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाएँ आर्थिक सशक्तिकरण, स्वरोजगार और सामाजिक उत्थान के प्रति निरंतर जागरूक हो रही हैं। छात्राओं ने रेखांकित किया कि आत्म स्वावलंबन और अपनी कौशल क्षमता के माध्यम विकास से ग्रामीण महिलाएँ भारत को आर्थिक विकास की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। पोस्टरों के माध्यम से छात्राओं ने बताया कि बचत की आदत, लघु उद्योग, स्थानीय उत्पाद निर्माण, डिजिटल साक्षरता और समूहिक उद्यमिता जैसे पहलुओं को कलात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया।

प्राचार्य सुमन वर्मा ने बच्चों को बताया कि स्वयं सहायता समूह के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं मत्स्य पालन, मुर्गी पालन और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए ऋण प्राप्त होता है ऋण प्राप्त की गई आय से वे आर्थिक स्वालंबन और सशक्त बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान-श्वेता, द्वितीय स्थान-अनुष्का सिंह, तृतीय स्थान-स्मृति पांडे और सांत्वना पुरस्कार-अविरल प्रियदर्शनी रही। समाजशास्त्र विभाग द्वारा ऐतिहासिक स्मारकों एवं स्थलों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 'विश्व विरासत दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग की प्राध्यापिका डॉ० नीता आर्या ने बताया कि विरासत समाज की विविधता और समृद्धि का प्रतीक है जो हमें विरासत स्वरूप प्राप्त हुई है। अतः इनका संरक्षण और संवर्धन हमारी जिम्मेदारी है। 2026 में विश्व विरासत दिवस की थीम 'संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रक्रिया' है जो इस युद्ध और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा पर केंद्रित है अर्थात जब ऐतिहासिक स्थल युद्ध या प्राकृतिक आपदाओं की चपेट में आ जाते हैं तो उन्हें कैसे संरक्षित किया जाए।

इस अवसर पर प्राचार्या, विभिन्न प्राध्यापिकाओं एवं छात्राओं द्वारा विश्व के स्मारकों एवं ऐतिहासिक स्थलों के संरक्षण हेतु शपथ ग्रहण लिया गया। नीता आर्य, प्रो० सरिता यादव, डॉ० अंजु, डॉ० श्वेता यादव, डॉ० जायरा जैदी, डॉ० स्मृति सिंह और समस्त कार्यालय कर्मचारी उपस्थित रहे।

रिटेल आउटरीच प्रोग्राम का किया गया आयोजन

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शनिवार को रिटेल आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन मुख्य शाखा प्रबंधक विश्वजीत कुमार की अध्यक्षता में किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राहकों को रिटेल लोन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस अवसर पर नवनीत सिंह शाखा प्रमुख, पंकज पाण्डेय शाखा प्रमुख रेलवे गंज नीरज पाण्डेय शाखा प्रमुख आवास विकास, निखिल राम शाखा प्रमुख विकास भवन हरदोई, आदि मौजूद रहे।

कार्यस्थल पर भयावह

देश की एक प्रमुख आईटी कंपनी की नासिक शाखा में यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयासों के चौंकाने वाले आरोप परेशान करने वाले हैं। निस्संदेह, यह प्रकरण बेहद गंभीर है और इन आरोपों ने कार्यस्थल की सुरक्षा जैसे नजरअंदाज किए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दे पर फिर देश का ध्यान आकर्षित किया है। यह आरोप है कि पुरुष कर्मचारियों का एक समूह महिला सहकर्मियों को निशाना बनाने के लिए एक 'संगठित गिरोह' की तरह काम कर रहा था। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम कंपनी प्रबंधन की उस घोर लापरवाही को ही उजागर करता है जिस के चलते समय रहते इस तरह के यौन उत्पीड़न व धर्म परिवर्तन की कोशिशों पर अंकुश नहीं लग सका। यह विडंबना ही है कि मानव संसाधन प्रबंधक ने कथित तौर पर पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से यह कहकर रोका कि दृ'ऐसी चीजें होती रहती हैं।' आक्षेप लगाया गया है कि इस प्रकरण में आरोपी का ही पक्ष लिया गया। निश्चित तौर पर यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम कॉर्पोरेट जगत में व्याप्त विद्रूपताओं और एक गहरी तथा व्यापक विफलता की ओर ही इशारा करता है। जबकि दावा यह किया जाता रहा है कि कॉर्पोरेट जगत की प्राथमिकता कर्मचारियों की सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चत करना है। इसमें दो राय नहीं है कि जब यौन उत्पीड़न रोकथाम ढांचे को लागू करने के लिये जिम्मेदार उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों पर दुर्व्यवहार को सामान्य या मामूली बात समझने का आरोप लगता है, तो सारे संस्थागत सुरक्षा उपाय ध्वस्त हो जाते हैं। निर्विवाद रूप से यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है, जब पीड़ित महिला कर्मचारी को न केवल अपराधियों द्वारा बल्कि उनकी सुरक्षा का दायित्व संभालने वालों द्वारा भी चुप कराने के प्रयास किये जाते हैं। एक बार फिर से पुलिस के हस्तक्षेप और परामर्श के बाद ही कई पीड़ित महिला कर्मचारियों ने आगे आने का साहस जुटाया है। जिसके बाद ही मामले में प्राथमिकी दर्ज हो पायी है।बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण को लेकर एक असहज करने वाला प्रश्न यह उठता है कि क्यों भय, सामाजिक कलंक अथवा संस्थागत उदासीनता के कारण देश भर के विभिन्न कार्यस्थलों में ऐसे कितने ही यौन उत्पीड़न के मामले उजागर नहीं हो पाते हैं? इसमें दो राय नहीं कि इस मामले में जांच बिना किसी पुर्वाग्रह के आगे बढ़नी चाहिए। निर्विवाद रूप से आईटी कंपनी के नासिक प्रकरण में सांप्रदायिक या राजनीतिक रंग देने का प्रयास इस संकट की मूल चिंताओं को धूमिल करने का जोखिम जरूर पैदा कर सकता है। निस्संदेह, ऐसी घटनाओं को धार्मिक या वैचारिक नजरिये से देखना कॉर्पोरेट जवाबदेही और लैंगिक संवेदनशीलता वाले सुधारों की तत्काल आवश्यकता से ध्यान भटका सकता है। इस संवेदनशील विषय पर नजर रखने वाले तर्क देते हैं कि उत्पीड़न को संप्रदाय विशेष के अपराध के रूप में देखने के बजाय, इसे एक अधिकारी द्वारा अपने अधिकार के दुरुपयोग के रूप में देखा जाना चाहिए, जो किसी भी संस्थान में पारदर्शिता और प्रवर्तन की कमी वाले वातावरण में ही पनपता है। इस विचलित करने वाले प्रकरण में अधिकारियों की प्रतिक्रिया, जिसमें एक विशेष जांच दल का गठन भी शामिल है, स्वागत योग्य है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में महिला आयोग द्वारा भी एक स्वतंत्र जांच की जा रही है, जो कि एक सराहनीय कदम कहा जा सकता है। हालांकि, कॉर्पोरेट जगत से जुड़े कार्यालयों में स्थायी परिवर्तन तभी संभव होगा जब कंपनियां ऐसे मामलों में 'शून्य सहिष्णुता' की घोषणा करेंगी। इसके साथ ही जरूरत इस बात की भी कि कार्यालयों में ऐसा निर्भयतापूर्ण वातावरण तैयार किया जाए कि कोई भी महिला कर्मचारी बिना डर के बोलने के लिये सशक्त बन सके। उन्हें सशक्त बनाने के लिये आंतरिक तंत्र को सक्रिय रूप से मजबूत बनाने की जरूरत है। इसके अलावा यह भी जरूरी है कि कंपनियों का शीर्ष प्रबंधन गाहे-बगाहे यह पड़ताल करता रहे कि सर्वाधिकार प्राप्त कोई अधिकारी असीमित अधिकारों की आड़ में उत्पीड़न के अपवित्र खेल में शामिल तो नहीं है।

निस्संदेह, यह प्रकरण बेहद गंभीर है और इन आरोपों ने कार्यस्थल की सुरक्षा जैसे नजरअंदाज किए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दे पर फिर देश का ध्यान आकर्षित किया है। यह आरोप है कि पुरुष कर्मचारियों का एक समूह महिला सहकर्मियों को निशाना बनाने के लिए एक 'संगठित गिरोह' की तरह काम कर रहा था। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम कंपनी प्रबंधन की उस घोर लापरवाही को ही उजागर करता है जिस के चलते समय रहते इस तरह के यौन उत्पीड़न व धर्म परिवर्तन की कोशिशों पर अंकुश नहीं लग सका। यह विडंबना ही है कि मानव संसाधन प्रबंधक ने कथित तौर पर पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से यह कहकर रोका कि 'ऐसी चीजें होती रहती हैं।'

भगवान् परशुराम: अन्याय, अत्याचार एवं दमनकारी वृत्तियों के विरुद्ध संघर्ष के प्रतीक

डॉ. उमेश चन्द्र शर्मा

त्रैता युग के उस चुनौती पूर्ण भीषण दौर में जब राजाओं के आतंक से ऋषि मुनि, गौ एवं ब्राह्मण व्यथित थे और वह व्यथा उस वक्त अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच गई थी, जब ऐसे ही दुष्ट राजाओं में से एक सहस्त्रार्जुन ने परशुराम के पिता जमदग्नि ऋषि की हत्या कर दी। पौराणिक काल की उस विकराल, वीभत्स एवं हृदयविदारक घटना ने पृथ्वी से अत्याचारियों के समूल नाश की शुरुआत कर दी और सहस्त्रबाहु अर्जुन के वध से शुरू हुआ दमनकारी राजाओं के वध का सिलसिला तब रुका जब उनका सर्वनाश हो गया। भगवान परशुराम ने इक्कीस बार पृथ्वी को क्षत्रिय राजाओं से रहित कर संपूर्ण रुप से पृथ्वी का भार उतार दिया। आरंभ में इन राजाओं ने उनके क्रोधावेग को केवल एक ब्राह्मण वेशधारी साधु का प्रलाप मानकर नजरअंदाज कर दिया था, किंतु जब क्षत्रियों पर उनका भीषण कुठार चला तो अंततः वे समूल नाश को प्राप्त हो गए। श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार परशुराम की गणना दशावतारों में होती है।

त्रैता युग में जब परात्पर ब्रह्म के श्रीराम रुप में अवतरित होने पर संपूर्ण सृष्टि अलौकिक आनन्द वैभव से ओतप्रोत थी, और सब तरफ सात्विक भावों की प्रधानता थी, किंतु तब ऐसे ऊर्ज़ा वान स्वर्णिम समय में भी मदोन्मत्त क्षत्रिय सत्ताधीषों की आतंक, अत्याचार एवं दमनकारी कुत्सित मनोवृत्ति के चलते भय और अशांति का वातावरण निर्मित हो गया था, तब उस भीषण काल में भगवान परशुराम का अभ्युदय हुआ, जिन्होंने सभी पाशविक वृत्तियों को पराभूत कर पृथ्वी पर अहिंसा, शांति और सद्भाव की स्थापना की। रक्तरंजित एवं विप्लवकारी कालखंड के उस विकराल दौर में दुष्ट, अहंकारी एवं अत्याचारी सत्ताधीशों का बाहुल्य हो गया था और उनके द्वारा ऋषि मुनि, गौ और ब्राह्मणों को असह्य पीड़ा पहुंचाई जाने लगी थी, तब अन्याय, अत्याचार, आतंक और व्यथा की उन विषम परिस्थितियों में सर्वशक्तिमान विश्वात्मा भगवान श्रीहरि ने भृगुवंशियों में परशुराम के रूप में अवतार ग्रहण किया। भगवान श्री विष्णु के छठवें अवतार के रूप में इस धराधाम पर अवतरित हुए पशुराम महाराज ने शिव प्रदत्त अपने अमोघ, विकराल परशू से आतंक की जड़ पर महाभीषण प्रहार करते हुए पृथ्वी के भारभूत राजाओं का नाश कर पृथ्वी का भार उतार दिया। भगवान परशुराम शस्त्रधारियों में श्रेष्ठ और अपराजेय योद्धा थे, जिन्होंने भय और आतंक का नाश कर प्रेम, सौहार्द, शांति और निर्भयत्व की स्थापना की इसीलिए आज भी उनके महान यश का सारे संसार में गुणगान किया जाता है। त्रैता युग के उस चुनौती पूर्ण भीषण दौर में जब राजाओं के आतंक से ऋषि मुनि, गौ एवं एवं ब्राह्मण व्यथित थे और वह व्यथा उस वक्त अपनी पराकाष्ठा पर पहुंच गई थी, जब ऐसे ही दुष्ट राजाओं में से एक सहस्त्रार्जुन ने परशुराम के पिता जमदग्नि ऋषि की हत्या कर दी। पौराणिक काल की उस विकराल, वीभत्स एवं हृदयविदारक घटना ने पृथ्वी से अत्याचारियों के समूल नाश की शुरुआत कर दी और सहस्त्रबाहु अर्जुन के वध से शुरू हुआ दमनकारी राजाओं के वध का सिलसिला तब रुका जब उनका सर्वनाश हो गया। भगवान परशुराम ने इक्कीस बार पृथ्वी को क्षत्रिय राजाओं से रहित कर संपूर्ण रुप से पृथ्वी का भार उतार दिया। आरंभ में इन राजाओं ने उनके क्रोधावेग को केवल एक ब्राह्मण वेशधारी साधु का प्रलाप मानकर नजरअंदाज कर दिया था, किंतु जब क्षत्रियों पर उनका भीषण कुठार चला तो अंततः वे समूल नाश को प्राप्त हो गए। श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार परशुराम की गणना दशावतारों में होती है। वे वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि, अर्थात अक्षय तृतीया को पुनर्वसु नक्षत्र में रात्रि के प्रथम प्रहर, प्रदोषकालीन महावेला में जमदग्नि ऋषि के पुत्र रूप में माता रेणुका के गर्भ से प्रादुर्भूत हुए थे। इस तरह हैहयवंश का अंत करने हेतु स्वयं भगवान विष्णु ने परशुराम के रूप में अंशावतार ग्रहण कर दुष्ट राजाओं का नाश किया, और ऋषि मुनियों, गौ और ब्राह्मणों को अभयत्व प्रदान किया, वे भगवान श्रीहरि के अत्यंत प्रिय भक्त के रूप में अग्रगण्य और अजर अमर कहे गए है। इनकी गणना सात चिरजीवियों मे होती है, और वे आज भी महेंद्र पर्वत पर निवास करते हैं। ''श्रीमद्भागवत महापुराण में भगवान् श्री शुकदेवजी महाराज कहते हैं, परीक्षित! जमदग्निनंदन भगवान परशुराम किसी को किसी प्रकार का दंड नहीं देते हुए आज भी शान्त चित्त से महेंद्र पर्वत पर निवास करते हैं, जहां सिद्ध, गन्धर्व और चारण उनके चरित्र का गुणगान किया करते हैं। आगामी मन्वन्तर में वे सप्तऋषियों के मंडल में रहकर वेदों का विस्तार करेंगे।'' भगवान् परशुराम के अवतार का उद्देश्य जहां अन्याय और अत्याचार का समूल नाश था, वहीं दूसरी तरफ शार्ङ्गधनुष की रक्षा भी थी, जिसे त्रैता युग में भगवान विष्णु के ही अवतार श्री राम को सौंपा जाना था। विश्वकर्मा द्वारा भगवान विष्णु के लिए निर्मित यह शार्ङ्गधनुष भगवान विष्णु का अत्यंत शक्तिशाली दिव्यास्त्र माना जाता है, जो स्वयं अविनाशी होते हुए भी शत्रुओं के लिए कालरुप था। यही शार्ङ्गधनुष भगवान परशुराम के समक्ष एक चुनौती के रूप में मौजूद था, जिसे मनुष्य रूप में पृथ्वी पर विचरण कर रहे परब्रह्म को सौंपा जाना था, इसी बात को लेकर वे ब्रह्म का अनुसंधान करने लगे और तब शिव धनुष भंग होने पर राजा जनक की सभा में भगवान परशुराम का क्रोधावेश वस्तुतः उस परब्रह्म परमात्मा के अनुसंधान का ही एक प्रयास था, जिसके माध्यम से वे ब्रह्म का दर्शन कर शार्ङ्गधनुष रुपी धरोहर उन्हें लौटाना चाहते थे और जब उनके और श्रीराम के बीच हुए संवाद ने रहस्यात्मक दौर में प्रवेश किया तब उनका वह अनुसंधान पूर्णता की और जा चुका था। श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास के अनुसार भगवान श्री राम परशुराम से बोले कि- ''ब्राह्मण वंश की ऐसी ही प्रभुता (महिमा) है कि जो आपसे डरता है, वह सबसे निर्भय हो जाता है, अथवा जो भयरहित होता है, वह भी आपसे डरता है।'' भगवान श्रीराम के इस रहस्यमय वचन को सुनकर श्री परशुराम की बुद्धि के बंद द्वार खुल गए। प्रभु के रहस्यमय वचन सुनकर और मनुष्य रूप में विचरण कर रहे अपने स्वामी के परमात्म स्वरूप का अनुभव कर परशुराम यद्यपि निश्चिन्त हो चुके थे, तथापि संशय के समूल नाश हेतु उन्होंने भगवान श्री राम से ही निवेदन किया। पुराण संहिताओं के अनुसार ब्रह्म के अतिरिक्त अन्य कोई भी महापुरुष शार्ङ्गधनुष पर प्रत्यंचा नहीं चढ़ा सकता। श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास लिखते हैं कि अपने मन में ऐसा विचार कर श्री परशुराम ने भगवान श्रीराम को दिव्य शार्ङ्गधनुष देते हुए निवेदन किया कि- ''है राम ! यह लक्ष्मीपति विष्णु का धनुष लीजिए और इसे खींचिये, अथवा यह कि इस पर प्रत्यंचा चढ़ाइए, जिससे मेरा सन्देह मिट जाए। ऐसा कहकर जब परशुराम प्रभु श्रीराम को धनुष देने को उद्यत हुए तब बड़ी ही विस्मयकारी घटना हुई कि वह धनुष स्वयमैव प्रभु के पास चला गया। भगवान श्रीराम का ऐसा अद्भुत और अलौकिक प्रभाव जानकर श्री परशुराम हर्षातिरेक से भर उठे, और प्रेम गद्गद् हृदय से भगवान् श्रीराम का गुणगान करते हुए बारम्बार उनकी जय-जयकार करने लगे।

त्वरित टिप्पणी: संसद में महिला अधिकार छीनकर खुश होले कांग्रेस!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

महिला आरक्षण विधेयक पर लोकसभा में हुई हालिया वोटिंग ने भारतीय राजनीति के एक महत्वपूर्ण विरोधाभास को उजागर किया है। ये दर्शाता है कि कांग्रेस, सपा एवं अन्य विपक्षी दल भले ही संसद एवं जनता के बीच महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, किंतु जब वास्तविक निर्णय का समय आता है, तब उनके ऊपर राजनीतिक स्वार्थ, संकीर्ण दृष्टिकोण इस बड़े उद्देश्य पर भी हावी हो जाता है। भारतीय राजनीतिक परिदृष्य में यह दुभाग्यपूर्ण है कि उन्होंने महिलाओं के अधिकारों को प्राथमिकता देने के बजाय राजनीतिक गणित को तरजीह दी। सबसे पहले, इस पूरे घटनाक्रम को समझना जरूरी है। महिला आरक्षण से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत, यानी 352 वोटों की आवश्यकता थी, किंतु इसके पक्ष में केवल 298 वोट ही पड़ सके। 230 सांसदों ने इसका विरोध किया, जिसके चलते यह विधेयक पास नहीं हो सका। अब भले ही इसे लेकर कांग्रेस एवं विपक्षी दल अपने कितने ही तर्क गढ़ें, हकीकत यह है कि यह परिणाम किसी राजनीतिक पार्टी के स्तर पर भाजपा के लिए विधायी असफलता नहीं है, यह तो देश की लगभग 50 प्रतिशत महिला आबादी की उम्मीदों को लगा एक गहरा झटका है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध सीधे तौर पर नहीं, बल्कि 'अगर-मगर' और 'किंतु-परंतु' के माध्यम से किया। उन्होंने विधेयक के क्रियान्वयन के तरीके, विशेषकर परिसीमन से जोड़ने पर आपत्ति जताई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसे 'छलावा' करार दिया, किंतु आज जिस तरह से सदन में यह विधेयक गिरा, उससे साफ हो गया कि कांग्रेस सच में महिलाओं की कितनी बड़ी हिमायती है! कहना होगा कि राहुल के सभी तर्क अपने आप में विरोधाभासी प्रतीत हुए हैं। यदि कांग्रेस वास्तव में महिला आरक्षण के पक्ष में थी, तो उसे इस विधेयक का समर्थन करते हुए बाद में संशोधन की मांग करनी चाहिए थी। लेकिन समर्थन के बजाय विरोध का रास्ता चुनना इस बात का संकेत है कि पार्टी की प्राथमिकता महिला सशक्तिकरण नहीं, बल्कि राजनीतिक लाभ-हानि का आकलन था। यही कारण है कि सत्ता पक्ष ने इसे ल्लदिखावटी समर्थनङ्क और ल्लवास्तविक विरोधङ्क की संज्ञा दी। समाजवादी पार्टी और अन्य विपक्षी दलों की स्थिति भी कुछ अलग नहीं रही। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इस मुद्दे पर सीधे समर्थन देने के बजाय सामाजिक समीकरणों और जातिगत प्रतिनिधित्व की बात उठाई। उनका तर्क था कि महिला आरक्षण के भीतर अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए अलग कोटा सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यह मांग व्यवहारिक रूप से छोड़ें, सिद्धांततः भी उचित नहीं है, क्योंकि भारतीय संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं देता है। जिस समय यह विधेयक पारित होने के कगार पर था, उस समय इस प्रकार की शर्तें जोड़ना वस्तुतः प्रक्रिया को जटिल बनाने और विधेयक को टालने का माध्यम ही दिखा। यहां एक बड़ा प्रश्न उठता है, क्या विपक्ष वास्तव में महिलाओं के अधिकारों के प्रति प्रतिबद्ध है, या वह केवल अपने पारंपरिक वोट बैंक की राजनीति में उलझा हुआ है? यदि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने का अवसर सामने था, तो उसे पहले स्वीकार कर लेना और बाद में उसमें सुधार की मांग करना अधिक व्यावहारिक और प्रभावी रणनीति होती, किंतु उसने ये रास्ता नहीं चुना और देश की उन तमाम महिलाओं का हक एक झटके में मार दिया, जोकि भविष्य में इस देश की कर्णधार बन सकती थीं। काश, कांग्रेस मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से ही कुछ सीख ले लेती! इस संदर्भ में यदि हम जमीनी स्तर पर देखें, तो कुछ राज्यों में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। मध्य प्रदेश में पंचायत स्तर पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व 50 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायत तीनों स्तरों पर महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 52-53 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यह दर्शाता है कि जब राजनीतिक इच्छाशक्ति होती है, तो महिलाओं को नेतृत्व में आगे लाया जा सकता है। निश्चित ही इसके लिए मप्र की भाजपानीत डॉ. मोहन यादव की सरकार बधाई की पात्र है। मध्य प्रदेश का यह उदाहरण विपक्षी दलों के लिए एक सीख हो सकता है। यहां न सिर्फ आरक्षण लागू किया गया, बल्कि उसे प्रभावी तरीके से क्रियानवित भी किया गया। परिणामस्वरूप महिलाएं यहां पर नाममात्र की प्रतिनिधि न होकर पूर्णतः निर्णायक भूमिका में हैं, वे हर प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बन गई हैं। जल, स्वच्छता, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर उनकी प्राथमिकताओं ने ग्रामीण विकास को नई दिशा दी है। इसके विपरीत, राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष की राजनीति अक्सर सैद्धांतिक बहसों और आशंकाओं में उलझी रहती है। परिसीमन को लेकर उठाई गई चिंताएं; जैसे उत्तर-दक्षिण असंतुलन या सीटों का पुनर्वितरण महत्वपूर्ण हो सकती हैं, किंतु इन्हें महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे के रास्ते में बाधा बनाना उचित नहीं कहा जा सकता। सत्ता पक्ष का यह आरोप कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने ऐतिहासिक रूप से भी सामाजिक न्याय के मुद्दों पर विलंब किया है, पूरी तरह निराधार नहीं है। ओबीसी आरक्षण के संदर्भ में काका कालेलकर आयोग और मंडल आयोग की सिफारिशों को लंबे समय तक लागू न करना, इस दिशा में कांग्रेस की धीमी गति को दर्शाता है। आज जब वही दल ओबीसी और महिलाओं के अधिकारों की बात करते हैं, तो उनके इरादों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। इसके साथ कहना तो यह भी पड़ेगा कि वर्ष 2014 एवं 2019 में भारी बहुमत भारतीय जनता पार्टी के पास था, तब क्यों नहीं उसने इस दिशा में प्रभावी पहल की, यदि की तो उसे परिणाम में बदलने के लिए इतना लम्बा इंतजार क्यों किया? पर जो सामने से स्पष्ट दिखाई देता है वह यही है कि कांग्रेस समेत संपूर्ण विपक्ष पहले से ही ये मन बना चुका था कि सदन में इस ल्लमहिला आरक्षण विधेयकङ्क को पास होने ही नहीं देना है और वही हुआ! राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का खेल चलता रहेगा, किंतु इससे उस महिला शक्ति की आकांक्षाएं पूरी नहीं होंगी, जोकि संसद या विधानसभा में अपनी आवाज उठाकर जनता के दर्द को दूर करने की मंशा रखती हैं। इस पूरे प्रकरण से एक स्पष्ट संदेश तो अवश्य ही निकला है और वह यही है कि भारतीय राजनीति में अभी भी महिला सशक्तिकरण एक वास्तविक प्राथमिकता नहीं बन सकी है। यह सिर्फ एक चुनावी मुद्दा अवश्य है, जिसका उपयोग समय-समय पर राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता रहा है और आगे भी किया जाता रहेगा! वास्तव में अच्छा तो तब होता, जब कांग्रेस, सपा और अन्य विपक्षी दल इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ भाजपा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले। निश्चित ही उन्होंने एक ऐतिहासिक अवसर को गंवा दिया। उन्होंने अपनी वैचारिक और राजनीतिक आपत्तियों को प्राथमिकता दी, जबकि देश की आधी आबादी उनसे ठोस कदम की अपेक्षा कर रही थी। यदि वे वास्तव में महिलाओं के अधिकारों के प्रति प्रतिबद्ध होते, तो इस विधेयक को पास कराने में सहयोग करते और बाद में आवश्यक सुधारों के लिए संघर्ष करते। इन दलों ने जो संदेश भारत के लोकतंत्र के सामने दिया है, वह यही है कि महिलाओं का अधिकार भी राजनीतिक सौदेबाजी का विषय बन गया है, जबकि यह हर दल के लिए एक संवैधानिक और नैतिक दायित्व होना चाहिए। जब तक राजनीति इस स्तर की परिपक्वता नहीं दिखाती, तब तक कहना यही होगा कि ल्लनारी सशक्तिकरणङ्क सिर्फ भाषणों और घोषणाओं तक ही सीमित है। आज विपक्ष ने निश्चित ही देश को निराश किया है! बहुत दुखद है, उसका ये निर्णय और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में स्त्री शक्ति का यह अपमान!

'वात्सल्य पीठ': करुणा, साधना और आत्मोन्नति का दिव्य तीर्थ

ललित गर्ग

'वात्सल्य पीठ' की संरचना और सज्जा भी अपने आप में अत्यंत अद्वितीय और आकर्षक है। इसकी वास्तुकला में आधुनिकता और आध्यात्मिकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। खुले आकाश की ओर उन्मुख इसकी रचना, प्राकृतिक प्रकाश के लिए बनाए गए स्काईलाइट्स, स्वच्छ वायु के संचार के लिए संतुलित वेंटिलेशन, और सादगी में निहित गरिमामयी भव्यता-ये सभी तत्व इसे एक सजीव ध्यान-स्थली का रूप प्रदान करते हैं। यहाँ की प्रत्येक दीवार, प्रत्येक मार्ग और प्रत्येक कोना जैसे एक मौन संदेश देता है कि जीवन का उद्देश्य बाहरी चकाचौंध में नहीं, बल्कि आंतरिक प्रकाश की खोज में है। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का शाश्वत मंत्र यहाँ की संरचना में साकार रूप से अनुभव किया जा सकता है।

दिल्ली जैसे महानगर की आपाधापी, भागदौड़ और संवेदनहीनता के बीच यदि कोई ऐसा स्थान निर्मित हो, जहाँ पहुंचते ही मन शांत हो जाए, आत्मा को विश्राम मिले और जीवन को एक नई दिशा का बोध हो, तो निश्चय ही वह स्थान साधारण नहीं, बल्कि दिव्यता का स्पंदित केन्द्र होता है। 'वात्सल्य पीठ' ऐसा ही एक अनुपम आध्यात्मिक तीर्थ बनकर उभरा है, जो शासनमाता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी की स्मृतियों को संजोए हुए न केवल तेरापंथ धर्मसंघ के अनुयायियों के लिए, बल्कि समस्त मानवता के लिए शांति, साधना और आत्मिक उन्नति का केन्द्र बनने जा रहा है। 19 अप्रैल 2026 को इसके उद्घाटन का पावन अवसर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक युगीन चेतना के जागरण एवं आध्यात्मिक अनुभवों का प्रतीक है। यह वही पावन भूमि है, जहाँ साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी ने अपने तप, त्याग और आत्म-साधना के अनेक अमूल्य क्षण व्यतीत किए एवं यह वही सिद्ध भूमि है जहां उन्होंने देह से विदेह होने की यानी निर्वाण यात्रा की है और इसी भूमि पर उनका दाह-संस्कार हुआ। आज वही भूमि 'वात्सल्य पीठ' के रूप में एक ऐसे जीवंत तीर्थ में परिवर्तित हो चुकी है, जहाँ हर कण में वात्सल्य की मधुरता और साधना की गंभीरता अनुभव की जा सकती है। यहाँ का वातावरण मानो स्वयं बोलता है, यहाँ शांति केवल शब्द नहीं, बल्कि अनुभूति है, यहाँ अध्यात्म केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन का साक्षात स्पर्श है। इस स्थल पर पहुंचकर ऐसा लगता है कि जीवन की समस्त अशांति, व्याकुलता और तनाव धीरे-धीरे विलीन हो रहे हैं और आत्मा अपने वास्तविक स्वरूप की ओर लौट रही है। 'वात्सल्य पीठ' की संरचना और सज्जा भी अपने आप में अत्यंत अद्वितीय और आकर्षक है। इसकी वास्तुकला में आधुनिकता और आध्यात्मिकता का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है। खुले आकाश की ओर उन्मुख इसकी रचना, प्राकृतिक प्रकाश के लिए बनाए गए स्काईलाइट्स, स्वच्छ वायु के संचार के लिए संतुलित वेंटिलेशन, और सादगी में निहित गरिमामयी भव्यता-ये सभी तत्व इसे एक सजीव ध्यान-स्थली का रूप प्रदान करते हैं। यहाँ की प्रत्येक दीवार, प्रत्येक मार्ग और प्रत्येक कोना जैसे एक मौन संदेश देता है कि जीवन का उद्देश्य बाहरी चकाचौंध में नहीं, बल्कि आंतरिक प्रकाश की खोज में है। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' का शाश्वत मंत्र यहाँ की संरचना में साकार रूप से अनुभव किया जा सकता है। इसकी सज्जा कृत्रिम आडंबर से दूर, सहज और सात्विक है, जो साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा के व्यक्तित्व की ही तरह निर्मल, शांत और प्रभावशाली प्रतीत होती है। साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का व्यक्तित्व अपने आप में एक विलक्षण प्रेरणा है। वे केवल एक साध्वी नहीं थीं, बल्कि वात्सल्य की मूर्ति, ज्ञान की गंगा और सृजन की सजीव सरस्वती थीं। अल्पायु में ही आचार्य तुलसी के सान्निध्य में दीक्षित होकर उन्होंने अपने जीवन को साधना, सेवा और सृजन के लिए समर्पित कर दिया। मात्र 17 वर्ष की आयु में उन्होंने जिस आध्यात्मिक पथ का वरण किया, वह आगे चलकर एक विराट साध्वी संघ के संचालन और मार्गदर्शन तक पहुँचा। लगभग सात सौ से अधिक साध्वियों के विशाल परिवार का नेतृत्व करना अपने आप में एक अद्भुत उपलब्धि है और यह तब और भी विशिष्ट हो जाता है जब उसमें अनुशासन के साथ-साथ वात्सल्य और संवेदना का संतुलन भी बना रहे। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि नारी केवल करुणा और ममता की प्रतीक नहीं, बल्कि संगठन, नेतृत्व और सृजन की भी अद्वितीय शक्ति है। उनका जीवन एक दीपशिखा की भांति था, जो स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश प्रदान करती रही। उनकी वाणी में ओज, विचारों में गहराई और आचरण में ऐसी पवित्रता थी, जो हर व्यक्ति को प्रभावित और प्रेरित करती थी। वे केवल आध्यात्मिक साधना तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि साहित्य, शिक्षा और सामाजिक चेतना के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने अनेक साहित्यिक कृतियों की रचना और संपादन किया तथा आचार्य तुलसी की आत्मकथा 'मेरा जीवन मेरा दर्शन' के संपादन में भी अपनी अद्वितीय प्रतिभा का परिचय दिया। उनकी लेखनी में संवेदनशीलता, अभिव्यक्ति में माधुर्य और चिंतन में गहराई का अद्भुत समन्वय था। वे एक सफल साध्वी, कुशल प्रशासक, प्रभावशाली वक्ता और संवेदनशील कवयित्री के रूप में जानी जाती थीं। 'वात्सल्य पीठ' का निर्माण केवल एक स्मारक के रूप में नहीं किया गया है, बल्कि इसे एक जीवंत आध्यात्मिक केन्द्र के रूप में विकसित किया गया है। यह स्थान आने वाले समय में एक ऐसे तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ न केवल श्रद्धालु, बल्कि जीवन में शांति-दिशा की खोज करने वाला प्रत्येक व्यक्ति आकर्षित होगा। यहाँ आने वाला हर व्यक्ति अपने भीतर एक नई ऊर्ज़ा, एक नई सकारात्मकता और एक नए संकल्प का अनुभव करेगा। यह स्थान व्यक्ति को स्वयं से जोड़ता है और यही जुड़ाव उसे समाज, संस्कृति और मानवता के प्रति अपने दायित्वों का भी बोध कराता है। शासन माता साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा का संपूर्ण जीवन वात्सल्य की ऐसी निर्मल धारा था, जिसने न केवल तेरापंथ साध्वी संघ को, बल्कि जन-जन के अंतर्मन को भी स्नेह, करुणा और आत्मीयता से आप्लावित किया। उनके व्यक्तित्व में वात्सल्य केवल एक गुण नहीं, बल्कि एक जीवंत चेतना थी, एक ऐसी करुणामयी ऊर्ज़ा, जो हर मिलने वाले को अपनेपन के आलोक में भर देती थी। वे अनुशासन की अधिष्ठात्री होते हुए भी ममता की मूर्ति थीं, उनके सान्निध्य में कठोरता भी कोमलता में बदल जाती थी। उन्होंने सैकड़ों साध्वियों का नेतृत्व केवल व्यवस्था से नहीं, बल्कि माँ की तरह स्नेहिल संरक्षण देकर किया और यही कारण था कि उनके व्यक्तित्व में 'शासन' और 'माता' का अद्भुत संगम साकार हुआ। उनके प्रेम, संवेदना और वात्सल्य की असीम अनुकम्पा से अनगिनत जीवन स्पर्शित, परिवर्तित और आलोकित हुए। इसी वात्सल्य-रस से आप्लावित उनके जीवन की स्मृतियों को सहेजने के लिए 'वात्सल्य पीठ' नाम पूर्णतः सार्थक और उपयुक्त प्रतीत होता है, क्योंकि यह केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि उस दिव्य मातृत्व, उस अनंत करुणा और उस जीवनदायी स्नेह का प्रतीक है, जिसे साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने अपने जीवन के प्रत्येक क्षण में जिया और जन-जन तक पहुँचाया। आज के समय में, जब भौतिकता और प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में मनुष्य अपने भीतर की शांति और संतुलन खोता जा रहा है, ऐसे में 'वात्सल्य पीठ' जैसे केन्द्र अत्यंत आवश्यक हो जाते हैं। यह हमें स्मरण कराता है कि जीवन का वास्तविक सुख बाहरी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन और आत्मिक उन्नति में निहित है। साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा जी का जीवन इसी सत्य का सजीव उदाहरण है। उन्होंने अपने जीवन के माध्यम से यह संदेश दिया कि साधना से आत्मा का उत्थान होता है, सेवा से समाज का निर्माण होता है और सृजन से संस्कृति का संवर्धन होता है। 'वात्सल्य पीठ' इसी त्रिवेणी-साधना, सेवा और सृजन का साकार रूप है। यह स्थान न केवल अतीत की गौरवगाथा को संजोए हुए है, बल्कि भविष्य के लिए भी एक प्रेरणास्त्रोत है। यहाँ की हर ईंट, हर पत्थर और हर संरचना में साध्वीप्रमुखा कनकप्रभाजी के जीवन मूल्यों की झलक दिखाई देती है। यह स्थल उनके व्यक्तित्व का प्रतिबिंब ही नहीं, बल्कि उनके विचारों और साधना का जीवंत विस्तार है। निस्संदेह, आने वाले समय में 'वात्सल्य पीठ' एक ऐसे तीर्थ के रूप में प्रतिष्ठित होगा, जहाँ से शांति, करुणा और आध्यात्मिकता की किरणें चारों ओर फैलेगी। यह स्थान जन-जन को यह प्रेरणा देगा कि जीवन की सच्ची यात्रा बाहर नहीं, भीतर की ओर होती है, और उसी यात्रा में आत्मा को उसका वास्तविक आनंद, शांति और मुक्ति का अनुभव प्राप्त होता है। वास्तव में, 'वात्सल्य पीठ' केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक अनुभूति है-एक ऐसी अनुभूति, जो मन को शांत करती है, आत्मा को जागृत करती है और जीवन को सार्थक बनाती है। यहाँ आकर हर व्यक्ति यही अनुभव करेगा कि जब जीवन में वात्सल्य, करुणा और साधना का संगम होता है, तभी जीवन अपने वास्तविक अर्थ को प्राप्त करता है। यही इस दिव्य स्थल की सबसे बड़ी उपलब्धि और विशेषता है।

वात्सल्य की छाया में जब आत्मा को विश्राम मिलेगा,
तभी जीवन का हर क्षण प्रभु-स्मरण में धाम मिलेगा।

कौशांबी में अवैध खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्यवाही, कई वाहन जब्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल के निर्देश पर जनपद में अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार देर रात तीनों तहसीलों मंझनपुर, सिराथू और चायल में संयुक्त रूप से सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान उप जिलाधिकारियों और क्षेत्राधिकारियों ने पुलिस व खनन विभाग की टीम के साथ मिलकर व्यापक कार्रवाई की। सिराथू क्षेत्र में देर रात करीब 11 बजे लेहदरी गांव में बिना अनुमति मिट्टी खनन कर रही एक जेसीबी मशीन को पकड़ा गया। इसके अलावा बिना ईएमएम-11 परिवहन पास के मिट्टी और मोरम ढो रहे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को भी जब्त कर थानाध्यक्ष कड़ाधाम की अभिरक्षा में सौंप दिया गया। मंझनपुर तहसील के भवनसुरी कछार और डोरमा कछार स्थित यमुना बालू घाट का मध्यरात्रि में औचक निरीक्षण किया गया। यहां खनन कार्य बंद मिला, लेकिन पट्टा क्षेत्र में खनन के संकेत पाए गए। निरीक्षण के दौरान एक ओवरलोड मोरम लदा वाहन पकड़ा गया जिसका ऑनलाइन चालान किया गया। पट्टाधारक द्वारा लोडिंग नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर उसके विरुद्ध उ.प्र. उप खनिज (परिहार) नियमावली, 2021 के तहत कार्रवाई की जा रही है। साथ ही बिना ईएमएम-11 के दो अन्य ओवरलोड वाहन भी पकड़े गए, जिन्हें पश्चिम शरीरा थाना पुलिस को सुपुर्द किया गया। चायल क्षेत्र में फतेहपुर सहाव गांव के पास एक मोरम लदा ट्रक समय सीमा के बाद रवन्ना के साथ पकड़ा गया। वहीं करारी थाना क्षेत्र में भी बिना ईएमएम-11 के ओवरलोड परिवहन कर रहे एक ट्रक को जब्त किया गया। प्रशासन की इस संयुक्त कार्रवाई से अवैध खनन में लिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन एवं परिवहन के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त अभियान जारी रहेगा।

मोडिफाइड साइलेंसर व प्रेशर हॉर्न लगाने पर कड़ी कार्यवायी 1 लाख तक जुर्माना संभव

कौशाम्बी। जनपद में वाहनों से हो रहे ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए परिवहन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। परिवहन आयुक्त, उ.प्र. शासन के निर्देश पर मोडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न व हूटर लगाने तथा ऐसे उपकरणों की बिक्री और फिटिंग करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी तारकेश्वर मल्ल ने बताया कि मोटर गैराज/वर्कशॉप में ऐसे उपकरण लगाने या बेचने पर मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 182ए (3) के तहत प्रति उपकरण एक लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इस जुर्माने को शमन करने का अधिकार उप परिवहन आयुक्त या उससे उच्च अधिकारियों को है। उन्होंने कहा कि यदि कोई वाहन स्वामी अपने वाहन में पन्च फिटिंग के माध्यम से बदलाव करता है, तो उसके विरुद्ध धारा 182ए (4) के अंतर्गत कार्रवाई होगी, जिसमें छह माह तक की सजा या पांच हजार रुपये तक जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थान पर ऐसे वाहन चलाने या चलवाने पर, जो शोर नियंत्रण, सड़क सुरक्षा और वायु प्रदूषण के मानकों का उल्लंघन करते हैं, मोटरयान अधिनियम की धारा 190 (2) के तहत तीन माह तक की सजा, दस हजार रुपये तक जुर्माना और ड्राइविंग लाइसेंस को तीन माह के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन वाहनों में मोडिफाइड साइलेंसर या ध्वनि प्रदूषण करने वाले उपकरण पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध धारा 53 (1) के तहत आरसी निलंबन की कार्रवाई भी की जायेगी। परिवहन विभाग ने जनपद के सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में इस प्रकार के अवैध उपकरण न लगाएं, अन्यथा कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने सुनी जन शिकायतें, त्वरित निस्तारण के दिये निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी, जनपद कौशाम्बी की सभी तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील मंझनपुर में जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल एवं पुलिस अधीक्षक सत्य नारायण प्रजापत ने जनशिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से राजस्व से जुड़ी शिकायतों पर जोर देते हुए निर्देशित किया कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करे। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि तहसील दिवस में प्राप्त किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए और प्रत्येक प्रकरण का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र व्यक्तियों के ऑनलाइन आवेदन कराकर उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। कार्यक्रम के दौरान पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान कार्ड भी वितरित किये गये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में मंझनपुर तहसील में कुल 41 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 03 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। तहसील चायल में 18 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 01 का तत्काल समाधान हुआ, जबकि तहसील सिराथू में 38 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से 02 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के त्वरित समाधान हेतु इस तरह के कार्यक्रम आगे भी प्राथमिकता के साथ आयोजित किए जाते रहेंगे।

उन्नाव में सघन वाहन चेकिंग अभियान, बिना हेलमेट व अवैध साइलेंसर पर कड़ी कार्रवाई

- आरटीओ संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में चला अभियान, नियम तोड़ने वालों के चालान; सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त रुख

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद में यातायात व्यवस्था को सुचारु और सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से शनिवार को सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। आरटीओ संजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में आईटीआई हरदोई पुल के पास सुबह करीब 11:30 बजे अभियान संचालित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई और कई वाहनों के चालान भी काटे गए।

चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चला रहे चालकों को रोककर उन्हें कड़ी चेतावनी दी गई और मौके पर ही हेलमेट पहनने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि हेलमेट न पहनना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। इसके अलावा बुलेट जैसी मोटरसाइकिलों में लगाए गए अवैध फायर शॉट साइलेंसर के खिलाफ भी अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। ऐसे साइलेंसरों से ध्वनि प्रदूषण बढ़ने के साथ ही आमजन को असुविधा होती है। अभियान के दौरान अधिकारियों ने वाहन चालकों को जागरूक करते हुए कहा कि यातायात नियमों का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ भविष्य में और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ऐसे सघन अभियान समय-समय पर जारी रहेंगे।

आरटीओ संजीव कुमार सिंह ने बताया कि जनपद में सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और अवैध उपकरणों का प्रयोग करने वालों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

उन्नाव में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के खिलाफ सैकड़ों उपभोक्ताओं का प्रदर्शन

- विमल द्विवेदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन, अधिक बिलिंग व बिना सूचना बिजली कटौती पर जताया रोष

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद में लगाए गए स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटरों के खिलाफ उपभोक्ताओं का गुस्सा लगातार बढ़ता जा रहा है। अत्यधिक बिलिंग, बिना सूचना बिजली कटौती और सर्वर फ़ेल होने की समस्याओं से परेशान सैकड़ों उपभोक्ताओं ने शनिवार को विरोध दर्ज कराया। 'नर सेवा नारायण सेवा समिति उन्नाव' के बैनर तले समिति के संस्थापक एवं प्रखर हिन्दू नेता विमल द्विवेदी के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई।

विमल द्विवेदी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं के बिजली बिल दो से तीन गुना तक बढ़ गए हैं, जबकि खपत पहले जैसी ही है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक परेशानी प्रीपेड बैलेंस खत्म होने पर होती है। आरोप है कि विभाग बिना पूर्व सूचना के कभी भी बिजली काट देता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई और मरीजों की देखभाल प्रभावित हो रही है।

ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि रिचार्ज कराने के बावजूद सर्वर की खराबी के चलते कई घंटों तक बैलेंस अपडेट नहीं होता, जिससे उपभोक्ताओं को अंधेरे में रहना पड़ता है। समिति के अनुसार मीटर की रीडिंग और बैलेंस कटौती की प्रक्रिया इतनी जटिल है कि आम व्यक्ति इसे समझ नहीं पा रहा है और पारदर्शिता के अभाव में खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

समिति ने अपनी तीन प्रमुख मांगों में तकनीकी जांच के लिए विशेषज्ञ समिति गठन, रिचार्ज समाप्त होने से कम से कम 24 घंटे पहले कॉल या एसएमएस के माध्यम से सूचना देने की व्यवस्था और जिला स्तर पर विशेष हेल्पलाइन डेस्क स्थापित करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी कि यदि इन सुझावों पर अमल संभव नहीं है तो जनहित में स्मार्ट मीटर हटाकर पुरानी व्यवस्था बहाल की जाए।

ज्ञापन देने पहुंचे पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार जहां 'ईज ऑफ लिविंग' की बात करती है, वहीं स्मार्ट मीटर व्यवस्था आम जनता के लिए परेशानी का कारण बन गई है।

इस मौके पर प्रदेश जिलाध्यक्ष अनीता विमल द्विवेदी, जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, जिलाध्यक्ष ज्योति राजपूत, नीलमणि सिंह, पवित्रा उपाध्याय, एके दीक्षित, आरके मिश्रा, राकेश राजपूत, योगेंद्र तिवारी, विकास सिंह सेंगर, परिमल मिश्रा, अखिल मिश्रा, विकास तिवारी, धर्मेंद्र शुक्ल, सुजीत सिंह, केतन अवस्थी, रमेश तिवारी, विनय द्विवेदी, अशोक पाल, देवेंद्र मिश्रा, सतीश कुमार द्विवेदी, अनिल त्रिवेदी, आलोक शुक्ल, सुनील सिंह, मनीष अवस्थी, मोहन, अभिषेक तिवारी, अंशुल सिंह चंदेल, अजय द्विवेदी, योगेंद्र सिंह सेंगर, संदीप सिंह, सूरज, अवनीश तिवारी, डॉ. राजीव अवस्थी, शिवम शुक्ला, अंकुर त्रिपाठी, शिव सेवक त्रिपाठी, राधा उपाध्याय, सत्यम पांडेय, हर्षित मीनू, पूजा सहित सैकड़ों पदाधिकारी व उपभोक्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता परीक्षा में उत्कृष्ट मार्गदर्शन पर शिक्षकों का सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पुरवा। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में पांच या उससे अधिक सफल छात्रों का उत्कृष्ट मार्गदर्शन करने के लिए लखनऊ में आगामी उन्नीस अप्रैल को जनपद उन्नाव के छः परिषदीय स्कूलों के 6 शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा जिनमें से दो शिक्षक विकास खण्ड हिलौली के ही हैं। पुरवा तहसील अंतर्गत आने वाले ब्लाकों में हिलौली विकास खण्ड के दो स्कूलों उच्च प्राथमिक विद्यालय भवानीगंज(1-8 कंपोजिट) व उच्च प्राथमिक विद्यालय करदहा के एक-एक शिक्षक को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में गणित शिक्षक यूपीएस भवानीगंज व तहसील प्रभारी प्राथमिक शिक्षक संघ शिवम चौरसिया तथा नीरज कुमार चौरसिया को आगामी 19 अप्रैल को रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल इंटर कालेज इंदिरा नगर लखनऊ में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। आपको बता दें कि भारत सरकार की योजना राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित परीक्षा में किसी परिषदीय स्कूल से पांच या उससे अधिक सफल हुए छात्रों का कुशल मार्गदर्शन करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जा रहा है। आपको बता दें कि तहसील पुरवा से चयनित दोनों ही शिक्षक हिलौली विकास खण्ड में नियुक्त हैं और आपस में बहनोई और साले हैं।

नगर पालिका अध्यक्षा ने ऑनलाइन टैक्स भुगतान की सुविधा किया शुभारम्भ

- श्वेता भानू मिश्रा के नेतृत्व में उन्नाव में ई-नगर सेवा पोर्टल का शुभारम्भ, अब घर बैठे होगा ऑनलाइन कर भुगतान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। नगर पालिका परिषद उन्नाव द्वारा नगरवासियों को आधुनिक एवं डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए ई-नगर सेवा पोर्टल (E-NagarSewa.Gov.in) के माध्यम से हाउस टैक्स, वाटर टैक्स एवं सीवर टैक्स के ऑनलाइन भुगतान की सुविधा का विधिवत शुभारम्भ किया गया।

इस पहल के अंतर्गत अब नगरवासी घर बैठे ही सरल, सुरक्षित एवं पारदर्शी तरीके से अपने करों का भुगतान कर सकेंगे। डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर क्षेत्र में एक विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसके माध्यम से नागरिकों को ऑनलाइन भुगतान के लाभों, प्रक्रिया एवं उपयोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

नगर पालिका परिषद की अध्यक्षा श्रीमती श्वेता भानू मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि, ''नगरवासियों को बेहतर, पारदर्शी एवं समयबद्ध सेवाएं प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है। ई-नगर सेवा पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को अब कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी, बल्कि वे घर बैठे ही अपने करों का भुगतान कर सकेंगे। यह पहल डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।''

उन्होंने आगे बताया कि नगरवासियों को समय पर कर भुगतान के लिए प्रोत्साहित करने हेतु विशेष छूट का प्रावधान भी किया गया है।

''01 अप्रैल से 15 मई तक कर जमा करने पर 20% की छूट तथा 16 मई से 15 नवम्बर तक भुगतान करने पर 10% की छूट दी जाएगी। हम सभी नगरवासियों से अपील करते हैं कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस ऑनलाइन सुविधा का लाभ उठाएं और नगर के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।''

इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रवीण मिश्रा भानू ने कहा कि,''ई-नगर सेवा पोर्टल की शुरुआत नगर के विकास एवं पारदर्शिता की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इससे न केवल आम नागरिकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि शासन-प्रशासन के कार्यों में भी तेजी और जवाबदेही आएगी। डिजिटल व्यवस्था से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा और नागरिकों का विश्वास मजबूत होगा।''

इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के सभासदगण, अधिकारी एवं कर्मचारीगण सहित अधिक संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 60 शिकायतें प्राप्त, 7 का मौके पर निस्तारण

पुरवा। सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव ने फरियादियों की समस्याएं सुनी और मौके पर 7 प्रकरणों का निस्तारण भी कराया। स्थानीय तहसील सभागार में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए उपजिलाधिकारी प्रमेश श्रीवास्तव ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना। आज कुल 60 शिकायतीपत्र मिले जिनमें से राजस्व से जुड़े 34 प्रकरण, पुलिस 8, विकास 3 व अन्य 15 प्रकरण रहे। मौके पर 7 शिकायतीपत्रों का निराकरण भी कराया गया। इस दौरान एसडीएम प्रमेश श्रीवास्तव, एसडीएम न्यायिक शालिनी सिंह, तहसीलदार मनीष द्विवेदी, नायब तहसीलदार नीरज चतुर्वेदी, खण्ड विकास अधिकारी संतोष श्रीवास्तव समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

ओवरटेक के दौरान दर्दनाक हादसा, बाइक सवार युवक की मौत

सफीपुर। कोतवाली क्षेत्र के बम्हना गांव के पास शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब युवक ओवरटेक करने के प्रयास में सामने से आ रहे वाहन से टकरा गया और सड़क पर गिर पड़ा, तभी पीछे से आ रहे डंपर ने उसे रौंद दिया। माखी थाना क्षेत्र के हिमांचल खेड़ा गांव निवासी राजेश (40) पुत्र राम औतार बाइक से अपने मौसा के अंतिम संस्कार में शामिल होने बांगरमऊ जा रहा था। उन्नाव-हरदोई मार्ग पर बम्हना गांव चौराहे के पास वह एक डंपर को ओवरटेक कर रहा था, तभी सामने से आ रही स्कॉर्पियो से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही वह सड़क पर गिर पड़ा और पीछे से आ रहे डंपर ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक के बड़े भाई राजू ने बताया कि राजेश खेती कर परिवार का भरण-पोषण करता था। उसकी मौत से पत्नी प्रेमा और दोनों बेटे सनी व सूर्या का रो-रोकर बुरा हाल है।

अक्षय तृतीया पर सर्राफा बाजार में उत्साह, महंगाई के बीच लाइटवेट ज्वेलरी पर जोर

शुक्लागंज। पवित्र पर्व अक्षय तृतीया को लेकर गंगाघाट क्षेत्र के नगर व ग्रामीण इलाकों में उत्सव का माहौल है। आभूषणों की खरीदारी के लिए सबसे शुभ माने जाने वाले इस दिन को लेकर सर्राफा कारोबारियों ने कई दिनों से विशेष तैयारियां कर रखी थीं। शनिवार सुबह से ही दुकानों की साफ-सफाई और आकर्षक लाइटिंग के साथ शोरूम्स को दुल्हन की तरह सजाया गया, ताकि ग्राहकों का स्वागत भव्य तरीके से किया जा सके। महंगाई का असर, वैरायटी पर जोरइस वर्ष सोने और चांदी की कीमतों में रिकॉर्ड बढ़ोत्तरी ने बाजार की चाल थोड़ी धीमी जरूर की है, लेकिन उत्साह कम नहीं है। सर्राफा व्यापारियों के अनुसार, सोना 1,55,000 प्रति दस ग्राम और चांदी 2,55,000 प्रति किलो के स्तर पर पहुंच गई है। बढ़ती कीमतों को देखते हुए दुकानदारों ने इस बार विशेष रणनीति अपनाई है। ग्राहकों के बजट का ध्यान रखते हुए बाजार में हल्के वजन के आकर्षक गहने (लाइटवेट ज्वेलरी) और नई रेंज पेश की गई है, ताकि महंगाई के बावजूद कोई खाली हाथ न लौटे।

गंगा रेलवे पुल की मरम्मत तेज, पिलर्स को किया जा रहा मजबूत

शुक्लागंज। कानपुर और शुक्लागंज के बीच गंगा नदी पर बने महत्वपूर्ण रेलवे पुल की सुरक्षा और मजबूती को लेकर रेलवे विभाग बेहद गंभीर है। लखनऊ-कानपुर व्यस्ततम रेल मार्ग का हिस्सा होने के कारण इस पुल पर ट्रेनों का भारी दबाव रहता है। इसे देखते हुए विभाग द्वारा पुल की कोठियों (पिलर्स) के मरम्मत और सुदृढ़ीकरण का कार्य युद्ध स्तर पर कराया जा रहा है। कार्यदायी संस्था 'अहुजा ठेकेदार' के कर्मचारियों द्वारा बीते 25 मार्च से मरम्मत का कार्य जारी है। शनिवार को पुल की कोठियों में दरारों को भरने और उन्हें सुरक्षित करने के लिए एपॉक्सी केमिकल डालने का काम किया गया। यह केमिकल कंक्रीट की पकड़ को मजबूत बनाता है और पानी से होने वाले क्षरण को रोकता है। केमिकल ट्रीटमेंट के साथ-साथ पिलर्स पर प्लास्टर और रंग-रोगन का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है।

समाधान दिवस में डीएम-एसपी सख्त : शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार व पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजक कौशिक ने शनिवार को चुनार तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को समयबद्ध व निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जन समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाधान दिवस में जमीन विवाद, पैमाइश, राशन कार्ड, पेयजल व चकबंदी से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं। डीएम ने निर्देश दिया कि संबंधित अधिकारी मौके पर जाकर दोनों पक्षों की उपस्थिति में संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित करें। तहसील चुनार में कुल 93 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से एक का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि शेष को संबंधित विभागों को भेजा गया। तहसील सदर में 103 में से 15, लालगंज में 62 में से 3 तथा मड़िहान में 73 में से 5 मामलों का निस्तारण किया गया।

ग्रामीण परंपरा विकास संस्थान ने जिला प्रशासन के साथ मनाया सतर्कता दिवस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बांदा जिला में बाल अधिकारों की सुरक्षा व बाल विवाहों की रोकथाम के लिए काम कर रहे संगठन ग्रामीण परंपरा विकास संस्थान ने अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाहों की रोकथाम के लिए सतर्कता दिवस मनाया। इसमें बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) व आशा यूनिटों ने भी सहयोग दिया और जिले में बाल विवाह की रोकथाम का संकल्प दोहराया। ग्रामीण परम्परा विकास संस्थान ने जिला प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों और धर्मगुरुओं के साथ मिलकर जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए स्कूलों, पंचायतों और गांवों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहा है और जिले में हजारों लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। संगठन खास तौर से बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील अक्षय तृतीया जैसे मौकों पर प्रशासन व सरकार के सहयोग से इसकी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाता रहा है। ग्रामीण परम्परा विकास संस्थान देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। जिले में अब तक बाल विवाह के खिलाफ अभियान की सफलता पर संतोष जाहिर करते हुए ग्रामीण परम्परा विकास संस्थान के निदेशक श्रवण कुमार ने कहा कि अक्षय तृतीया के शुभ दिन की आड़ में बाल विवाह जैसे अपराध को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन व नागरिक समाज संगठनों की सतर्कता से अब अक्षय तृतीया के दिन होने वाले बाल विवाहों की संख्या में खासी कमी आई है लेकिन हमें इसे पूरी तरह रोकने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चंद वर्षों पहले तक लोगों को यह भी नहीं पता था कि नाबालिग बच्चों की शादी बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है।

29.40 लाख से बने नए कक्षों का लोकार्पण

- विधायक बंबालाल दिवाकर ने फीता काटकर किया उद्घाटन, छात्राओं ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सफीपुर। नगर के उच्च प्राथमिक विद्यालय में 29.40 लाख रुपये की लागत से निर्मित नए कक्षों का लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक बंबालाल दिवाकर ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुई। इस दौरान छात्राओं ने सरस्वती वंदना, राधा-कृष्ण गीत तथा मिशन शक्ति से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक बंबालाल दिवाकर ने कहा कि शिक्षा के स्तर को सुधारने और बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नए कक्षों के निर्माण से विद्यालय का बुनियादी ढांचा मजबूत होगा और छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की नींव और सुदृढ़ होगी।

इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी अनीता शाह, प्राथमिक शिक्षक संघ के उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश द्विवेदी, तौसीफ अली खां, शरफात खां, रविकेश, देवेंद्र कुशवाहा, अवनींद्र गौड़, ज्ञान प्रकाश पांडे, जय सिंह वर्मा, दीपांशी द्विवेदी, ज्योति वर्मा, जयदीप शुक्ला, चंद्रभूषण, सोनिया निर्मल, अमरेंद्र यादव, सभासद राम खेलवान तथा विद्यालय के प्रधान शिक्षक अनिल बाजपेयी सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। अंत में प्रधान शिक्षक ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

लखनऊ अग्निकांड : सपा ने बढ़ाया मदद का हाथ

700 राशन किट और वस्त्र वितरित कर पीड़ितों को दी राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। लखनऊ शहर में हुए अग्निकांड के बाद प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए समाजवादी पार्टी ने राहत कार्य तेज कर दिया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश एवं प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल के मार्गदर्शन में सपा के प्रदेश सचिव एवं लखीमपुर खीरी की पलिया विधानसभा निवासी रेहान खान ने पीड़ितों के बीच पहुंचकर राहत सामग्री वितरित की।

रेहान खान के नेतृत्व में चलाए गए इस राहत अभियान के तहत अग्निकांड से प्रभावित परिवारों को 700 राशन किट वितरित की गईं। प्रत्येक किट में दाल, चावल, आटा, नमक, तेल और चीनी जैसी दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री शामिल रही। इसके साथ ही 700 साड़ियां और 700 सलवार-सूट भी जरूरतमंद महिलाओं को वितरित किए गए, जिससे उन्हें तत्काल राहत मिल सकी। राहत सामग्री पाकर पीड़ित परिवारों के चेहरे पर राहत और संतोष नजर आया। उन्होंने इस कठिन समय में सहायता के लिए समाजवादी पार्टी और विशेष रूप से प्रदेश सचिव रेहान खान का आभार व्यक्त किया। कई पीड़ितों ने कहा कि इस तरह की मदद से उन्हें न केवल आवश्यक वस्तुएं मिली हैं, बल्कि मुश्किल घड़ी में सहारा भी मिला है।

इस अवसर पर रेहान खान ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के स्पष्ट निर्देश हैं कि किसी भी आपदा या संकट की घड़ी में समाजवादी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता आगे बढ़कर जनता की मदद करे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने पीड़ितों की हरसंभव सहायता सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए हैं। रेहान खान ने आगे कहा कि यह राहत कार्य केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जब तक जरूरत पड़ेगी, तब तक सहायता का यह सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। स्थानीय स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी राहत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और वितरण व्यवस्था को सुचारू रूप से संपन्न कराया। समाजवादी पार्टी के इस प्रयास को क्षेत्र में सराहना मिल रही है और लोग इसे मानवीय संवेदना का उदाहरण बता रहे हैं।

मोतीपुर कांड पर जनमत पार्टी सक्रिय, निष्पक्ष जांच व पीड़ितों को न्याय की मांग

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला तहसील क्षेत्र के ग्राम मोतीपुर में 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के दौरान हुई दुखद घटना को लेकर राष्ट्रीय जनमत पार्टी ने संज्ञान लिया है। प्रदेश अध्यक्ष अमरदीप श्रीवास्तव ने क्षेत्र का दौरा कर मामले की जानकारी जुटाई और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर घटना क्रम पर चर्चा की। प्रदेश अध्यक्ष ने जिला प्रभारी डॉ. रमेश से घटना की विस्तृत जानकारी ली और कहा कि इस प्रकरण की उच्चस्तरीय व निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि घटना में शामिल उपद्रवियों को चिन्हित कर सख्त कार्रवाई की जाए, लेकिन किसी भी निर्दोष व्यक्ति को परेशान न किया जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता और न्याय दिलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मामले को गंभीरता से ले रही है और पीड़ित पक्ष के साथ खड़ी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील रत्नाकर भी पूरे प्रकरण पर नजर बनाए हुए हैं और क्षेत्र में स्थिति सामान्य होते ही स्वयं पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचेंगे। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि शासन-प्रशासन द्वारा पीड़ित पक्ष को दिए जा रहे सहयोग की जानकारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धनंजय पासी, उत्तर प्रदेश प्रभारी डॉ. गौतम पासी और राष्ट्रीय सचिव जगन्नाथ पासी को भी अवगत करा दी गई है।

ग्राम रोजगार सेवकों का शोषण बंद कर 24 हजार मानदेय की मांग

- 1 मई को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन का ऐलान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। ग्राम रोजगार सेवक ''पंचायत मित्र,वेलफ़ेयर एसोसिएशन के प्रांतीय आह्वान पर जनपद के सभी 15 विकास खंड कार्यालयों पर ग्राम रोजगार सेवकों ने जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सरकार से मासिक मानदेय बढ़ाकर 24 हजार रुपये करने सहित विभिन्न मांगें उठाई गईं। विकासखंड लखीमपुर मुख्यालय पर आयोजित धरने को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के संस्थापक व ऑल इंडिया मनरेगा एम्प्लाइज एसोसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुश्ताक अली अंसारी ने कहा कि ग्राम रोजगार सेवक पिछले करीब 20 वर्षों से सरकारी योजनाओं में अहम भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन उन्हें बेहद कम मानदेय दिया जा रहा है। वर्तमान में मनरेगा योजना के प्रशासनिक मद से मात्र 8 हजार रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं, जो आज के समय में बेहद अपर्याप्त है। उन्होंने कहा कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों की तर्ज पर ग्राम रोजगार सेवकों का मानदेय भी बढ़ाया जाना चाहिए। साथ ही प्रशासनिक व्यय आधारित भुगतान व्यवस्था में खामियों के चलते समय से वेतन नहीं मिल पाता, जिससे कर्मचारियों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

प्रदर्शन के दौरान यह भी आरोप लगाया गया कि कर्मचारियों को ईपीएफ, बोनस और हेल्थ इंश्योरेंस जैसी बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। बीते 10 वर्षों से ईपीएफ के नाम पर की जा रही कटौती भी संबंधित खातों में जमा नहीं की गई है, जिससे कर्मचारी इसके लाभ से वंचित हैं।

इसके अलावा चिकित्सा सुविधाओं के लिए हेल्थ कार्ड तक उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। प्रमुख मांगों में मुख्यमंत्री द्वारा 4 अक्टूबर 2021 को लखनऊ में की गई घोषणा के अनुरूप मानव संसाधन नीति (एचआर पॉलिसी) लागू कर न्यूनतम 24 हजार रुपये मासिक मानदेय सुनिश्चित करना, मानदेय भुगतान के लिए पृथक बजट की व्यवस्था करना, बकाया 12 से 14 महीनों का भुगतान तत्काल कराना, आकस्मिक व चिकित्सा अवकाश की व्यवस्था लागू करना, न्याय पंचायत स्तर पर स्थानांतरण नीति लागू करना तथा मृतक आश्रितों को सेवा में समायोजित करना शामिल है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो आगामी 1 मई 2026 को सभी जिला मुख्यालयों पर विशाल प्रदर्शन किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन में राकेश कुमार, रमेश गुप्ता, दिनेश कुमार, इलियास, जितेंद्र वर्मा, प्रभादेवी, किरण यादव, सुमन, शिखा, सूर्य प्रकाश सिंह, सुनील कुमार वर्मा, इंद्रजीत वर्मा, नरेंद्र कुमार और रिचा पांडे समेत बड़ी संख्या में ग्राम रोजगार सेवक मौजूद रहे।

मोबाइल का बढ़ता इस्तेमाल बन रहा मानसिक तनाव की वजह: डॉ. रविंद्र नाथ वर्मा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। कृषक समाज इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य अनंत प्रकाश सरोज की अध्यक्षता में 8 से 30 अप्रैल तक चल रहे पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत मोबाइल स्क्रीन टाइम कम करने के विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन देवेंद्र सिंह ने किया। कार्यक्रम में समाजसेवी चिकित्सक डॉ. रविंद्र नाथ वर्मा ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में सोशल मीडिया और मोबाइल से दूरी बनाना आसान नहीं है, लेकिन लगातार बढ़ता स्क्रीन टाइम मानसिक तनाव को भी तेजी से बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि स्क्रीन टाइम वह समय होता है, जो हम मोबाइल या अन्य गैजेट्स पर लगातार स्क्रॉलिंग, ऐप्स के इस्तेमाल और इंटरनेट ब्राउजिंग में बिताते हैं। डॉ. वर्मा ने कहा कि अत्यधिक स्क्रीन टाइम न केवल मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालता है, बल्कि यह व्यक्ति के व्यवहार, व्यक्तिगत जीवन और सामाजिक रिश्तों को भी प्रभावित करता है। ऐसे में जरूरी है कि छात्र-छात्राएं अपने स्क्रीन टाइम को सीमित करें और पढ़ाई-लिखाई के साथ-साथ खेलकूद और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में समय दें। उन्होंने अभिभावकों और बुजुर्गों के साथ समय बिताने पर भी जोर दिया और कहा कि परिवार के साथ संवाद और अनुभवों से सीखने से न केवल ज्ञान बढ़ता है, बल्कि मानसिक संतुलन भी बेहतर रहता है इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी डॉ. अनिल कुमार, ओम प्रकाश, उपप्रधानाचार्य लखपत भारती, अशोक कुमार वर्मा, एस.के. वर्मा सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में 39 शिकायतें प्राप्त, 3 का मौके पर निस्तारण

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील गोला के सभागार में अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 39 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 3 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में सर्वाधिक 23 शिकायतें राजस्व एवं आपदा विभाग से संबंधित रहीं, जबकि पुलिस विभाग की 8, संयुक्त जांच हेतु 5, विद्युत विभाग की 2 तथा खाद एवं रसद विभाग की 1 शिकायत दर्ज की गई। मौके पर राजस्व एवं आपदा विभाग की 3 शिकायतों का त्वरित समाधान कर दिया गया। शेष 36 प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे स्थलीय जांच कर शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण तरीके से समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करें।

मांगें पूरी न हुईं तो आंदोलन तेज होगा: गोला डिपो में रोडवेज कर्मियों की गेट मीटिंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के आह्वान पर शनिवार को गोला डिपो परिसर में कर्मचारियों ने लंबित मांगों के निस्तारण को लेकर विशाल 'गेट मीटिंग' आयोजित की। प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर हुई इस सभा में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कर्मचारी शामिल हुए और निगम प्रबंधन के प्रति नाराजगी जाहिर की। सभा का नेतृत्व क्षेत्रीय संयोजक (संविदा) प्रमोद मिश्रा ने किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की प्रमुख मांगों की लगातार अनदेखी की जा रही है, जिससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो प्रांतीय नेतृत्व द्वारा लिए गए किसी भी आंदोलनात्मक निर्णय में गोला डिपो शाखा पूरी ताकत के साथ भागीदारी करेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कर्मचारियों के हितों से किसी भी स्थिति में समझौता नहीं किया जाएगा। गेट मीटिंग' के दौरान कर्मचारियों ने एकजुटता दिखाते हुए प्रबंधन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया और अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की इस मौके पर शाखा मंत्री आलोक अवस्थी, कमलेश वर्मा, जुगेन्द्र सिंह, शोभित गुप्ता, सुशील गुप्ता, मोहित तिवारी, अंशिका चौधरी, प्रगति बाजपेयी, अनुपम देवी, प्रियंका गुप्ता, सुरभि देवी, नेहा गौतम सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम के अंत में शाखा मंत्री आलोक कुमार अवस्थी ने सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में एकजुट रहकर संघर्ष करने का आह्वान किया।

शाहगंज में दो शातिर गिरफ्तार, भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में शाहगंज कोतवाली थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शनिवार को दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई। इस मामले में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरीन्द्र सिंह ने बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक शाहगंज ने पुलिस टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर बड़ागांव नहर पुलिया के पास चेकिंग के दौरान दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान अफसर हुसैनी निवासी अरसिया थाना सरपतहां और विष्णु प्रताप निवासी चूड़ी मोहल्ला थाना शाहगंज के रूप में हुई है। आरोपितों की निशानदेही पर भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की गई।

गौआश्रय स्थल में अव्यवस्थाओं पर डीएम सख्त, सुधार के दिये निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। गौवंशों के संरक्षण और देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी गौआश्रय स्थलों पर मानक के अनुसार हरा चारा और साइलेज उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य है। साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं में कमी मिलने पर सम्बंधित जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई होगी। गर्मी और लू को देखते हुए गौवंशों के लिए समुचित इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं। व्यवस्थाओं में सुधार के लिए समयबद्ध कार्यवाही जरूरी है। यह बातें शनिवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कही।

जिलाधिकारी ने नरवल तहसील के बौसर स्थित गौआश्रय स्थल का औचक दौरा कर व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत परखी। इस दौरान यहां 51 गौवंश संरक्षित पाए गए, जिनमें 14 नर और 37 मादा शामिल हैं। इस दौरान गंभीर लापरवाही सामने आई। गौवंशों को निर्धारित मानक अनुसार हरा चारा और साइलेज उपलब्ध नहीं कराया जा रहा था और केवल सूखा चारा व भूसा दिया जा रहा था। इसके साथ ही गौशाला परिसर में साफ-सफाई भी संतोषजनक नहीं मिली।

डीएम ने इन अव्यवस्थाओं पर नाराजगी जताते हुए पंचायत सचिव राजकुमार को फटकार लगाई और स्पष्टीकरण तलब किया। साथ ही गौआश्रय स्थल पर अब तक विद्युत कनेक्शन न होने को गंभीर लापरवाही मानते हुए सम्बंधित अधिकारियों से जवाब मांगा।

उन्होंने निर्देश दिया कि गौआश्रय स्थल की समग्र समीक्षा कर 10 दिन के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। साथ ही गर्मी और लू को देखते हुए गौवंशों के लिए पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अनुराग सिंह, नायब तहसीलदार आशीष पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मोतीपुर कांड में वांछित अभियुक्त काशीराम गिरफ्तार

पुलिस ने बरामद किया सरकारी डंडा व हेलमेट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। बांकेगंज क्षेत्र के मोतीपुर कंाड में थाना मैलानी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वांछित चल रहे अभियुक्त काशीराम को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस अधीक्षक खीरी एवं अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी गोला के पर्यवेक्षण में जनपद खीरी में अपराध की रोकथाम हेतु अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। इसी क्रम में थाना मैलानी पर दिनांक 15 अप्रैल 2026 को पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 083/2026 व मुकदमा अपराध संख्या 82/2026 में वांछित अभियुक्त की तलाश की जा रही थी। मुकदमा अपराध संख्या 083/2026 में भारतीय न्याय संहिता (उगट्ट) की धारा 191(2), 191(3), 190, 326(एफ), 109(1), 310(2), 121(1), 132, 324(5), 61(2), 126(2) तथा धारा 7 आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम 1932 एवं सार्वजनिक संपत्ति नुकसान अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत है। वहीं मुकदमा अपराध संख्या 82/2026 में धारा 191(2), 191(3), 190, 115(2), 352, 351(2), 109(1), 3(5), 76/317(3) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस टीम द्वारा लगातार दबिश एवं तलाश के दौरान दिनांक 18 अप्रैल 2026 को वांछित अभियुक्त काशीराम पुत्र जीयनलाल, उम्र करीब 60 वर्ष, निवासी ग्राम मोतीपुर थाना मैलानी जिला खीरी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक अदद सरकारी डंडा व एक अदद सरकारी हेलमेट बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण कर उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में

उपनिरीक्षक दृगपाल सिंह, उपनिरीक्षक योगेंद्र सिंह, कांस्टेबल देवेंद्र सिंह, कांस्टेबल गौरव उज्ज्वल, अंकित, राजीव सागर, आदर्श चौरसिया, नितिन सहित अन्य पुलिस बल मौजूद रहा।

संक्षिप्त समाचार

हत्याकांड में वांछित एक और आरोपित गिरफ्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित करैली एवं एसओजी नगर की संयुक्त पुलिस टीम ने शनिवार को मो. इरफान की हत्या मामले में फरार एक और आरोपित को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि पकड़ा गया आरोपित करेली थाना क्षेत्र के ऐनुद्दीनपुर निवासी मो. अरशद पुत्र मो. मसले है। इसके खिलाफ करैली थाने में पंजीकृत मुकदमा धारा 103(1)/61(2)(थ) बीएनएस की जांच के दौरान इसका नाम प्रकाश में आया है। गिरफ्तारी के बाद नियमानुसार विधिक कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि 8 अप्रैल 2026 को थाना करैली क्षेत्र में मो. इरफान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस प्रकरण में दो अभियुक्तों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि तीसरे अभियुक्त की तलाश जारी थी, जिसे अब गिरफ्तार कर लिया गया है। आपराधिक इतिहास- गिरफ्तार अभियुक्त मो. अरशद के विरुद्ध पूर्व में भी कई मामले दर्ज हैं, जिनमें वर्ष 2020 व 2022 के मारपीट, धमकी एवं अन्य धाराओं के मुकदमे शामिल हैं। पुलिस उपायुक्त का बयान- इस संबंध में मनीष कुमार शांडिल्य, पुलिस उपायुक्त नगर ने बताया कि ह्लहत्या जैसे गंभीर प्रकरण में संलिप्त अभियुक्त की गिरफ्तारी पुलिस की प्राथमिकता थी। संयुक्त टीमों के समन्वित प्रयास से अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा अन्य आवश्यक साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं। पुलिस टीम की भूमिका- इस सफलता में थाना करैली पुलिस, एसओजी नगर टीम तथा सर्विलांस सेल नगर की संयुक्त टीमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने तकनीकी व मानवीय सूचना के आधार पर अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

ड्यूटी के दौरान गश खाकर गिरे पीआरडी जवान की मौत, मंदिर परिसर में मचा हड़कम्प

मीरजापुर। विंध्याचल स्थित मां विंध्यवासिनी देवी मंदिर परिसर में शनिवार सुबह ड्यूटी के दौरान गश खाकर गिरे पीआरडी जवान की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद मंदिर परिसर में हड़कम्प मच गया। चील्ह थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी 45 वर्षीय गोपाल कृष्ण दूबे मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था में तैनात थे। शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे वह गणेश द्वार पर ड्यूटी कर रहे थे, तभी अचानक चक्कर खाकर जमीन पर गिर पड़े। मौजूद लोगों ने तत्काल उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर मंडलीय अस्पताल रेफर किया गया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची विंध्याचल थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर मोर्चरी भेज दिया।

डीएम का औचक निरीक्षण : आंगनबाड़ी की बदहाली पर नाराजगी, पढ़ाई की गुणवत्ता पर संतोष

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने शनिवार को मझवां विकास खंड के बजहा गांव स्थित प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्कूल परिसर में लगे टीकाकरण शिविर का जायजा लेते हुए उन्होंने सभी बच्चों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केंद्र की स्थिति पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। चार केंद्रों के सापेक्ष मात्र छह बच्चे उपस्थित मिले। केंद्र पर न तो पर्याप्त शिक्षण सामग्री थी और न ही बच्चों के लिए खिलौने। बच्चों के बैग में भी किताबों का अभाव दिखा। कई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां अनुपस्थित पाई गईं। इस पर डीएम ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को फोन कर व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। वहीं विद्यालय में कक्षाओं का निरीक्षण करते हुए डीएम ने बच्चों से हिंदी, विज्ञान, अंग्रेजी व सामाजिक विज्ञान के प्रश्न पूछे, जिनका छात्रों ने संतोषजनक उत्तर दिया। शिक्षा की गुणवत्ता पर संतोष जताते हुए शिक्षक सिद्धार्थ सिंह की सराहना की गई।

दो बाइकों की टक्कर, युवक की जिंदा जलकर मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

देवरिया। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र स्थित काशीपुर के पास शनिवार को दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। खेतों में जल रही पराली ने सड़क को पूरी तरह ढक लिया था, जिसकी वजह से दो बाइकों की सीधी टक्कर हो गई। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि बाइक सवार एक युवक बाइक समेत सड़क किनारे गिर गया, जहां पहले से ही आग लगी हुई थी। बाइक में लगे पेट्रोल ने आग में घी का काम किया और युवक की जिंदा जलकर मौत हो गई।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। एसडीएम अवधेश निगम क्षेत्राधिकारी हरी राम यादव, थाना प्रभारी कल्याण सिंह सागर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फॉरेंसिक टीम देवरिया ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन किया। मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की गई है।

घटना के संबंध में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी कल्याण सिंह सागर ने बताया कि मृतक की पहचान ग्राम विरवा संत टोलिया निवासी मुसाफिर (40) के रूप में हुई है। वह अपने साले की शादी का कार्ड बांटने ग्राम ईश्वरपुर जा रहा था। जिस समय हादसा मुसाफिर के साथ एक छोटा बच्चा था, जो हादसे के दौरान उछलकर दूसरी ओर जा गिरा था, जिससे उसकी जान बच गई। फायर ऑफिसर अरुण कुमार के नेतृत्व में दमकल कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग को फैलने से रोका, जिससे आसपास के खेतों में बड़ा नुकसान होने से बच गया।

मामले का संज्ञान लेकर जिलाधिकारी ने जांच के आ?देश देते हुए एसडीएम के नेतृत्व में कृषि विभाग की संयुक्त टीम गठित की है। टीम में जिला कृषि अधिकारी उदय शंकर सिंह, कृषि निदेशक सुभाष मौर्य, सहायक विकास अधिकारी कृषि अभिषेक तिवारी, लेखपाल व कानूनगो को शामिल किया गया है। टीम द्वारा क्षेत्र में सर्वे कर पराली जलाने वालों की पहचान की जा रही है, जिनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम ने बताया कि मृतक के परिजनों को किसान बीमा दुर्घटना योजना के तहत आर्थिक सहायता दिलाई जाएगी। साथ ही, भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा एक छोटी सी लापरवाही कैसे जानलेवा बन सकती है, यह हादसा उसकी भयावह मिसाल है।

बीएचयू के भारत कला भवन में प्रतिभागियों ने कुषाण एवं गुप्तकालीन सिक्कों के महत्वपूर्ण संग्रह को देखा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय हैंड्स-ऑन कार्यशाला का शनिवार को समापन हुआ। ल्लभारतीय ज्ञान परम्परा आधारित प्राचीन भारतीय मुद्राएँः स्रोत, लिपि एवं टकसाल तकनीक विषयक इस कार्यशाला के अंतिम दिन सैद्धांतिक व्याख्यानों और व्यावहारिक सत्रों का समन्वित आयोजन किया गया।

समापन दिवस पर मुख्य रूप से उत्तर-मौर्यकालीन मुद्राओं पर चर्चा केंद्रित रही, जिसमें नगर-निर्गत, राजशाही एवं जनजातीय सिक्कों के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से समझाया गया।

प्रतिभागियों को इस कालखंड की प्रकारिकी, प्रतीकात्मकता तथा टकसाल तकनीक की गहन जानकारी प्रदान की गई। सत्रों का संचालन अमितेश्वर झा और मनीष वर्मा ने किया।

शैक्षणिक गतिविधियों के अंतर्गत प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय परिसर स्थित भारत कला भवन का अध्ययन भ्रमण कराया गया। यहाँ उन्होंने कुषाण एवं गुप्तकालीन सिक्कों के समृद्ध संग्रह का अवलोकन किया। संग्रहालय में प्रत्यक्ष अध्ययन के माध्यम से प्रतिभागियों को सिक्कों के वर्गीकरण, शैलीगत विशेषताओं और ऐतिहासिक संदर्भों को समझने का अवसर मिला।

पंत के चोटिल होने से चिंतित एलएसजी के सामने विजय रथ पर सवार पंजाब किंग्स की चुनौती

एजेंसी

मुल्लांपुर। तालिका में शीर्ष पर काबिज पंजाब किंग्स रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में संघर्ष कर रही लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए मजबूत बल्लेबाजी पर भरोसा करेगी। लखनऊ की टीम कप्तान ऋषभ पंत की चोट को लेकर भी चिंतित है। पंजाब किंग्स इस सत्र में अब तक एकमात्र अजेय टीम रही है। टीम ने पांच में से चार मुकाबले जीते हैं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम का नेट रन रेट +1.067 है, जो उसकी दमदार

बल्लेबाजी और सधे हुए लक्ष्य-पीछा करने की क्षमता को दर्शाता है। पंजाब ने 2025 सत्र से अब तक लक्ष्य का पीछा करते हुए अपने पिछले 11 में से नौ मुकाबले जीते हैं, जो उसके दबदबे की बानगी है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ हालिया जीत में भी यह झलक साफ दिखी। मेजबान टीम की इस रफ्तार को रोकने के लिए एलएसजी को असाधारण प्रदर्शन करना होगा। अंक तालिका में फिलहाल सातवें स्थान पर मौजूद एलएसजी लगातार दो हार के बाद दबाव में है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मुकाबले में कप्तान ऋषभ पंत की कोहनी में लगी चोट ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। पंत महज तीन गेंद खेलने के बाद दर्द से कराहते हुए रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। वह हालांकि बाद में बल्लेबाजी के लिए लौटे, लेकिन उस समय उनकी कोहनी पर पट्टी लगी हुई थी। ऐसे में रविवार के मैच में उनकी उपलब्धता अब भी अनिश्चित बनी हुई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ मुकाबला एकतरफा रहा। मुकुल चौधरी और आयुष बदोनी के संघर्ष के बावजूद एलएसजी की टीम केवल 146 रन ही बना सकी थी। लखनऊ की बल्लेबाजी अब तक लय में नहीं दिखी है और टीम इस सत्र में अभी तक 200 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सकी है। इसके विपरीत पंजाब ने दो बार 200 का आंकड़ा पार किया है और मुंबई के खिलाफ पिछले मैच में 16.3 ओवर में 3 विकेट पर 198 रन बनाकर जीत की ओर बढ़ रही थी। पंजाब के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह (211 रन) शानदार लय में हैं। वह और कप्तान श्रेयस अय्यर (203 रन) क्रमशः 172.95 और 187.96 के स्ट्राइक रेट के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन कर रहे हैं। दोनों ने मुंबई के खिलाफ जीत में अहम साझेदारी की थी। प्रियांश आर्य और कूपर कोनोली ने भी टीम की बल्लेबाजी को मजबूती दी है। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने मुंबई के खिलाफ 22 रन देकर तीन विकेट लेकर लय में वापसी के संकेत दिए। प्रिंस यादव एलएसजी के लिए नौ विकेट के साथ सबसे सफल गेंदबाज रहे हैं। उनके बाद आवेश खान (पांच विकेट) और मोहम्मद शमी (चार विकेट) हैं। शमी हालांकि पिछले मैच में विराट कोहली और रजत पाटीदार के सामने असहाय नजर आए।

भारतीय महिला टीम को दूसरे टी20 में बल्लेबाजी और तेज गेंदबाजी पर करना होगा फोकस

एजेंसी

डरबन। पहले मैच में मिली हार के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में उतरेगी तो बल्लेबाजों और तेज गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। भारत का स्कोर एक समय 15वें ओवर में दो विकेट पर 119 रन था लेकिन टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 157 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका ने लौरा वोल्वार्ट के अर्धशतक की मदद से पांच गेंद बाकी रहते जीत दर्ज कर ली। शेफाली वर्मा (20 गेंद में 34 रन) ने भारत को अच्छी शुरूआत दी लेकिन स्मृति मंधाना (14 गेंद में 13) ज्यादा देर क्रीज पर टिक नहीं सकीं। पावरप्ले में दो विकेट गिरने से भारत की रनगति पर अंकुश लग गया। कप्तान हरमनप्रीत कौर (33 गेंद में नाबाद 47) और जेमिमा रौड्रिग्स (29 गेंद में 36 रन) ने बीच के ओवरों में 51 गेंद में 71 रन जोड़े लेकिन आखिरी पांच ओवर में टीम 33 रन ही बना सकी और तीन विकेट गंवा दिये। दूसरे मैच में भारत को अच्छी शुरूआत का फायदा उठाना होगा और निचले क्रम के बल्लेबाजों को इसके लिये खुलकर खेलना होगा। मंधाना ने कहा, '' हम बल्लेबाजी ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके लेकिन गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया और आखिरी ओवर तक मैच को खिंचा। इससे हमें काफी कुछ सीखने को मिला है।'' पिछली चार श्रृंखलायें जीत चुकी भारतीय टीम ने 14 वाइड गेंदें भी फेंकी। तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर, अरूंधति रेड्डी और काशवी गौतम ने तीन तीन ओवर डालकर क्रमशः 25, 28 और 29 रन दिये। स्पिनर श्रेयांका पाटिल ने 26 रन देकर दो विकेट चटकाये जबकि श्रीचरणी ने 26 रन देकर एक विकेट लिया। भारत की फील्डिंग भी लचर रही। रेणुका और अनुष्का शर्मा ने डैथ ओवरों में कैच टपकाये। मंधाना ने कहा, '' आस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के एक महीने बाद हम खेल रहे हैं। सभी लय हासिल करने की कोशिश में है। हम इस मैच के बाद आत्ममंथन करके मजबूती से उतरेंगे।'' दो महीने बाद ब्रिटेन में टी20 विश्व कप होना है और वनडे विश्व चैम्पियन भारतीय टीम तैयारी के लिये पांच मैचों की इस श्रृंखला का पूरा उपयोग करना चाहेगी। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने हर विभाग में अनुशासित प्रदर्शन किया। वोल्वार्ट, क्लो ट्रायोन और एनरी डर्कसेन ने बल्लेबाजी में कमाल किया और गेंदबाजों ने भारत को बड़ा स्कोर बनाने नहीं दिया। तेज गेंदबाज अयाबोंगा खाका ने 16 रन देकर तीन विकेट चटकाये।

बांग्लादेश टेस्ट दौरे के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान, सरफराज अहमद बने मुख्य कोच

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे के लिए पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को पाकिस्तान की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले सरफराज ने अंडर-19 टीम के साथ मेंटर-मैनेजर के रूप में एशिया कप जीत दिलाई थी। टीम के साथ पूर्व टेस्ट खिलाड़ी असद शफीक को बल्लेबाजी कोच और उमर गुल को गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कप्तानी की जिम्मेदारी एक बार फिर शान मसूद के पास रहेगी। यह सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र का हिस्सा होगी। पाकिस्तान टीम में चार नए खिलाड़ियों–अब्दुल्ला फजल, आमद बट, अजान अवैस और मोहम्मद गाजी घोरी को पहली बार मौका दिया गया है। टीम के पांच खिलाड़ी–अजान अवैस, इमाम-उल-हक, मोहम्मद गाजी घोरी, नोमान अली और साजिद खान इस समय लाहौर में रेड-बॉल ट्रेनिंग कैंप का हिस्सा हैं। दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 8 से 12 मई तक ढाका में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 16 से 20 मई तक सिलहट में आयोजित होगा। पाकिस्तानी टीम 27 अप्रैल को कराची में इकट्ठा होगी, जहां एक मई तक प्रशिक्षण शिविर चलेगा। इसके बाद टीम 2 मई को बांग्लादेश रवाना होगी। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में व्यस्त खिलाड़ी अपनी टीम के अभियान खत्म होने के बाद शिविर से जुड़ेंगे, जबकि फाइनल खेलने वाले खिलाड़ी 3 मई के बाद टीम से जुड़ेंगे।

खराब फॉर्म से जूझ रही केकेआर के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेंगे रॉयल्स

एजेंसी

कोलकाता। शानदार फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स पिछले मैच में मिली हार को भुलाकर जीत के लिये तरस रही कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रविवार को आईपीएल के मैच में लय वापिस पाने के इरादे से उतरेगी। टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक रॉयल्स और खराब फॉर्म से परेशान केकेआर के बीच यह मुकाबला होगा। राजस्थान ने लगातार चार जीत दर्ज की लेकिन पिछले मैच में उसे सनराइजर्स हैदराबाद ने हराया। वहीं केकेआर छह मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर कई मौकों पर जीत के करीब पहुंचकर हार गई है जिससे टीम का आत्मविश्वास डगमगा गया है। पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच बारिश में धुलने से उसे एकमात्र अंक मिला है। केकेआर के

तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाश दीप चोटों के कारण बाहर हैं जबकि मथीषा पथिराना अभी तक आये नहीं हैं। रहाणे और मुख्य कोच अभिषेक नायर के कई फैसले भी विवादित रहे हैं। चयन से जुड़े फैसलों और मैच प्रबंधन पर ऊंगली उठी हैं। टी20 विश्व कप के बाद लय हासिल करने के लिये जूझ रहे स्पिनर वरूण चक्रवर्ती को पावरप्ले में उतारना समझ नहीं आया। अभिषेक शर्मा ने उनके एक ओवर में 25 रन निकाले थे जिससे उनका हौसला और टूट गया होगा। पहले चार मैच में वह कोई विकेट नहीं ले सके। न्यूजीलैंड के लिये टी20 विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने वाले टिम सीफर्ट को अभी तक एक ही मैच में उतारा गया जबकि स्टार हरफनमौला रचिन रविंद्र अभी तक खेले ही नहीं हैं। कई प्रतिभाशाली घरेलू क्रिकेटर भी बेंच पर ही बैठे रह गए। शेन वाटसन, टिम साउदी और ड्वेन ब्रावो जैसे दिग्गजों के सहयोगी स्टाफ में रहते हुए केकेआर सही एकादश नहीं उतार पाया है। रहाणे के टॉस जीतने के बाद के फैसले भी अजीब रहे हैं। मसलन गुजरात टाइटंस के खिलाफ पिच में नमी होते हुए उन्होंने बल्लेबाजी चुनी और पावरप्ले के भीतर स्कोर तीन विकेट पर 32 रन था। आगामी विधानसभा चुनाव के कारण अब यहां करीब एक महीने तक मैच नहीं होगा जिससे केकेआर घरेलू प्रशंसकों के सामने पहली जीत के लिये बेताब होगी। अब ईडन गार्डंस पर अगला मैच 16 मई को होगा।

संक्षिप्त समाचार

हमने कम रन बनाये, बेहतर प्रदर्शन करना होगा : जेमिमा रौड्रिग्स

डरबन। भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रौड्रिग्स ने स्वीकार किया कि उनकी टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले महिला टी20 मैच में अच्छे रन नहीं बना सकी और उन्होंने यह भी कहा कि आगामी विश्व कप की तैयारी के लिये यह श्रृंखला बल्लेबाजों , खासकर हरफनमौलाओं के लिये सुनहरा मौका है। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 157 रन ही बना सकी। दक्षिण अफ्रीका ने पांच गेंद बाकी रहते छह विकेट से जीत दर्ज की। रौड्रिग्स ने पत्रकारों से कहा ,'' मुझे लगता है कि हम बल्लेबाजी में 15 . 20 रन पीछे रह गए। जिस तरह की शुरूआत हमें मिली और शेफाली ने जिस तरह से शानदार शुरूआत दी, हमें बेहतर स्कोर बनाना चाहिये था। उन्होंने कहा ,'' इसके बाद दो ओवर में दो विकेट गिर गए लेकिन हरमनप्रीत कौर और मैं साझेदारी बनाने की कोशिश कर रहे थे। हमने वह लय बनाई और दबाव हटा दिया था लेकिन मौके को भुना नहीं सके। हरमनप्रीत ने 33 गेंद में नाबाद 47 रन बनाये जबकि जेमिमा ने 29 गेंद में 36 रन की पारी खेली। दोनों ने 51 गेंद में 71 रन की साझेदारी की। जेमिमा और रिचा घोष (पांच) हालांकि लगातार आउट हो गए जिससे आखिरी ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी नहीं हो सकी। रौड्रिग्स ने कहा ,'' हरमन और मुझे बड़ी साझेदारी बनानी चाहिये थे। रिचा भी जिस तरह से आउट हुई, वह शॉट छक्का भी हो सकता था। दस में से एक बार आप इस तरह के शॉट पर आउट हो जाते हैं लेकिन नौ बार वह छक्का लगाती है। विश्व कप को देखते हुए हमें इस पर काम करना होगा। उन्होंने कहा ,'' निचले क्रम पर आने वाले हरफनमौलाओं को भी उतना मैच टाइम और अनुभव नहीं मिलता। दक्षिण अफ्रीका में उनके लिये यह सुनहरा मौका है जिससे विश्व कप की तैयारी मजबूत होगी।''

वर्तमान में रहें, जज्बात में नहीं बहें श्रेयस अय्यर का पंजाब किंग्स को मंत्र

मुल्लांपुर। पिछले सत्र की उपविजेता पंजाब किंग्स भले ही शानदार शुरूआत करके आईपीएल में अभी तक अपराजेय हो लेकिन कप्तान श्रेयस अय्यर का मानना है कि फोकस वर्तमान में रहने पर होना चाहिये। कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 आईपीएल खिताब जिताने के बाद पिछले साल पंजाब किंग्स से जुड़े अय्यर ने कोच रिकी पोंटिंग के साथ टीम की तकदीर बदल दी है। पिछले सत्र में फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू से हारी पंजाब टीम पांच में से चार मैच जीत चुकी है जबकि केकेआर के खिलाफ मैच बारिश में धुल गया था। अय्यर ने जियोस्टार से कहा ,'' मिशन खिताब जीतना है। लेकिन मेरा मानना है कि वर्तमान में और नियंत्रण में रहने से आप सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। बहुत आगे की सोचने की जरूरत नहीं है। मैं अपनी टीम से भी यही कहता हूं कि हम अपने लिये खेल रहे हैं, विरोधी टीम के लिये नहीं। हमें रोज प्रदर्शन में सुधार करना है। उन्होंने खिलाड़ियों के फैसले पर भरोसा करने की अहमियत पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया एक मैच में कैसे तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने विजय कुमार विशाख को इंपैक्ट खिलाड़ी के तौर पर उतारने का सुझाव दिया था और उसने बेहतरीन गेंदबाजी की। उन्होंने कहा ,'' मैदान पर हर खिलाड़ी मैच में होता है और सभी की राय मायने रखती है। गेंदबाज जब कुछ सुझाव देता है तो उसे मानना अहम है क्योंकि उसकी राय भी सटीक हो सकती है। अय्यर ने खुद को मिली 'सरपंच' की उपमा के बारे में मजाकिया लहजे में कहा ,'' मुझे यह पसंद है। मुझे नहीं पता कि पंजाब किंग्स से जुड़ने के बाद इसकी शुरूआत कहां से हुई और इसके क्या मायने हैं। लेकिन बाद में साथी खिलाड़ियों ने बताया कि इसका मतलब परिवार , समूह या जिले का मुखिया होता है।

भारत ने मार्च में बांग्लादेश को 22,000 टन हाई–स्पीड डीजल की आपूर्ति की

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत ने मार्च में बांग्लादेश को 22,000 टन हाई–स्पीड डीजल की आपूर्ति की है और सेशेल्स एवं मालदीव से भी उनकी ऊर्ज़ा जरूरतों को पूरा करने के अनुरोध प्राप्त हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इन अनुरोधों पर देश की अपनी जरूरतों, उपलब्धता और रिफाइनिंग क्षमता को ध्यान में रखते हुए विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने मार्च, 2026 में बांग्लादेश को 22,000 टन डीजल की आपूर्ति की और इस महीने भी इसकी आपूर्ति जारी है। इसके अलावा, पिछले महीने श्रीलंका को भी 38 टन पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति की गई थी। जायसवाल ने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर की हाल में मॉरीशस यात्रा के दौरान तेल एवं गैस आपूर्ति के लिए दोनों सरकारों के स्तर पर समझौते को अंतिम रूप दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नेपाल एवं भूटान को मौजूदा व्यवस्थाओं के तहत ईंधन की आपूर्ति किसी तरह की बाधा के बगैर जारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पड़ोसी देशों ने पश्चिम एशिया संकट के दौरान भारत द्वारा निर्बाध ईंधन आपूर्ति के लिए सराहना भी व्यक्त की है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते जहाजों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाने के बाद वैश्विक तेल और गैस कीमतों में उछाल आया है। इस समुद्री मार्ग से वैश्विक तेल और एलएनजी का लगभग 20 प्रतिशत व्यापार होता है।

सरकार ने 12,980 करोड़ रुपये की सॉवरेन गारंटी के साथ 'भारत समुद्री बीमा कोष' को मंजूरी दी

नयी दिल्ली। सरकार ने शनिवार को लगातार समुद्री बीमा कवरेज की सुविधा के लिए 12,980 करोड़ रुपये की सॉवरेन गारंटी के साथ एक घरेलू बीमा योजना 'भारत मैरीटाइम इंश्योरेंस कोष' (बीएमआई कोष) बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। यह कोष सुनिश्चित करता है कि भारतीय व्यापार को किसी भी अंतरराष्ट्रीय मूल से भारतीय बंदरगाहों तक और इसके विपरीत माल ले जाने वाले जहाजों के लिए सस्ती बीमा सुविधा मिलती रहे, भले ही वे अस्थिर समुद्री गलियारों से गुजर रहे हों। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी।

अमेरिका ने रूस से तेल खरीद पर प्रतिबंधों में छूट की अवधि एक महीने बढ़ाई

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने रूस से पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद की अनुमति देने वाली छूट की अवधि को एक महीने के लिए बढ़ा दिया है जबकि कुछ दिन पहले ही उसने यह विशेष राहत देने संबंधी कदम को आगे नहीं बढ़ाने की बात कही थी। अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात एक आदेश जारी कर रूसी तेल पर लगे प्रतिबंधों से छूट की अवधि को 17 अप्रैल या उससे पहले समुद्र में मौजूद तेल के लिए 16 मई तक बढ़ा दिया है। इससे पहले अमेरिका ने भारत को पांच मार्च से एक महीने के लिए रूसी तेल खरीदने पर प्रतिबंधों से छूट दी थी। इसके कुछ दिन बाद कई अन्य देशों को भी इसी तरह की छूट दी गई थी जो 11 अप्रैल को समाप्त हो गई। अमेरिका द्वारा शुक्रवार को

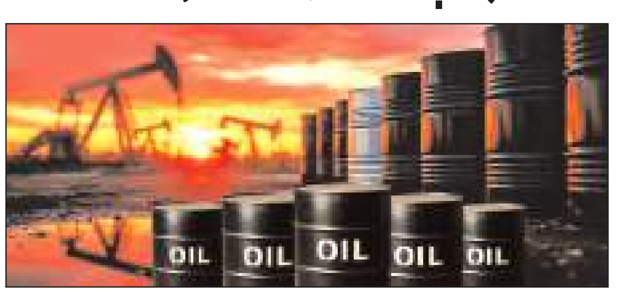

जारी किया गया सामान्य लाइसेंस ईरान, उत्तर कोरिया, क्यूबा या यूक्रेन के कुछ हिस्सों में स्थित किसी व्यक्ति, संस्था या संयुक्त उद्यम से जुड़े किसी भी लेनदेन को अधिकृत नहीं करता है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने इससे पहले बुधवार को कहा था कि अमेरिका रूसी तेल और ईरानी तेल से जुड़ी छूट की अवधि को आगे नहीं बढ़ाएगा। अमेरिका एवं इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध की शुरुआत करने के बाद से तेल कीमतें बढ़ने के मद्देनजर प्रतिबंधों में पहले दी गई छूट के कारण पोतों पर पहले से लदा रूस का 14 करोड़ बैरल तेल वैश्विक बाजारों तक पहुंचा। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के आदेश में कहा गया, 17 अप्रैल, 2026 से प्रभावी सामान्य लाइसेंस संख्या 134ए, जो 19 मार्च, 2026 को जारी किया गया था और जिसकी अवधि 11 अप्रैल, 2026 को समाप्त हो गई थी, की जगह अब सामान्य लाइसेंस संख्या 134बी को लागू किया जाएगा।

आईएमएफ से अगली किस्त की जल्द मंजूरी चाहता है पाकिस्तान: वित्त मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने कहा कि देश अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से अगली किस्त की जल्द मंजूरी चाहता है। उन्होंने बताया कि आईएमएफ की एक टीम आगामी समीक्षा के लिए अगले महीने पाकिस्तान का दौरा करेगी। विश्व बैंक-आईएमएफ की वसंतकालीन बैठकों में भाग लेने के लिए वाशिंगटन में मौजूद औरंगजेब लगभग 1.2 अरब डॉलर की मंजूरी का जिक्र कर रहे थे। इसमें 37 महीने की विस्तारित निधि सुविधा (ईएफएफ) के तहत एक अरब डॉलर और 28 महीने की लचीलापन एवं स्थिरता सुविधा (आरएसएफ) के तहत 20 करोड़ डॉलर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में हुए समझौते के तहत अर्थव्यवस्था की दूसरी समीक्षा पूरी होने पर पिछले साल कर्मचारी-स्तर का समझौता (एसएलए) किया गया था। डॉन अखबार की खबर के अनुसार, वाशिंगटन स्थित पाकिस्तानी दूतावास में संवाददाता सम्मेलन के बाद शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में औरंगजेब ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का फिर से खुलना बहुत सकारात्मक घटनाक्रम है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति पर दबाव कम होगा।

अक्षय तृतीया पर ओला इलेक्ट्रिक ने 50,000 रुपये तक के लाभ की पेशकश की

एजेंसी

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक ने शनिवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर 'ओला सोना वीकेंड' पेशकश की घोषणा की है, जिसके तहत कंपनी अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो पर ग्राहकों को 50,000 रुपये तक के लाभ दे रही है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारत के सबसे शुभ त्योहारों में से एक के उपलक्ष्य में ग्राहकों के पास 'ओला सोना' जीतने का अवसर भी होगा। यह एक सीमित संस्करण वाला स्कूटर है जिसमें असली 24 कैरेट सोने की परत वाले तत्व लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने बताया कि वह अपने जेन 3 एस1 एक्स (2 किलोवाट-घंटा) और रोडस्टर एक्स (2.5 किलोवाट-घंटा) को मात्र 49,999 रुपये में उपलब्ध करा रही है। साथ ही, पूरे उत्पाद पोर्टफोलियो पर ग्राहकों को अधिकतम 50,000 रुपये तक के लाभ भी दिए जा रहे हैं। ये ऑफर केवल 18 और 19 अप्रैल को ही मान्य हैं। कंपनी ने बताया कि ओला सोना वीकेंड के तहत वह रोडस्टर एक्स+ (9.1 किलोवाट-घंटा) पर 50,000 रुपये की छूट दे रही है। ग्राहक इस इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल को 1,39,999 रुपये में खरीद सकते हैं, लेकिन यह ऑफर केवल 18 और 19 अप्रैल को शाम छह बजे से नौ बजे तक सीमित समय के लिए उपलब्ध रहेगा। इसके साथ ही आठ साल की मुफ्त विस्तारित वारंटी भी दी जा रही है। कंपनी ने यह भी बताया कि ग्राहक उसके सभी उत्पादों पर अधिकतम 40,000 रुपये तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। ओला इलेक्ट्रिक ने बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा, स्कैपिया फ़ेडरल, यस बैंक, आईडीएफसी, एचएसबीसी और एचडीएफसी के क्रेडिट कार्ड पर ईएमआई के जरिए 10,000 रुपये तक के लाभ भी दिए जा रहे हैं।

अक्षय तृतीया पर ओला इलेक्ट्रिक ने 50,000 रुपये तक के लाभ की पेशकश की

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक दोपहिया विनिर्माता ओला इलेक्ट्रिक ने शनिवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर 'ओला सोना वीकेंड' पेशकश की घोषणा की है, जिसके तहत कंपनी अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो पर ग्राहकों को 50,000 रुपये तक के लाभ दे रही है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारत के सबसे शुभ त्योहारों में से एक के उपलक्ष्य में ग्राहकों के पास 'ओला सोना' जीतने का अवसर भी होगा। यह एक सीमित संस्करण वाला स्कूटर है जिसमें असली 24 कैरेट सोने की परत वाले तत्व लगाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने बताया कि वह अपने जेन 3 एस1 एक्स (2 किलोवाट–घंटा) और रोडस्टर एक्स (2.5 किलोवाट–घंटा) को मात्र 49,999 रुपये में उपलब्ध करा रही है।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने 15,200 से ज़्यादा जल निकायें बनाए, ग्रामीण भारत के 15 लाख परिवारों को जल सुरक्षा मिली

एजेंसी

मुंबई। एचडीएफसी बैंक के मुख्य कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम, एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ने घोषणा की है कि उसने पूरे भारत में कुल मिलाकर 15,289 से ज़्यादा जल निकायें बनाए हैं और उनकी मरम्मत की है। ये निकायें 10,430 से ज़्यादा गाँवों में फैले हैं और इनसे 14.92 लाख परिवारों को मदद मिली है। इसके 'स्वास्थ्य और स्वच्छता' (हेल्थ एंड हाइजीन) स्तंभ के तहत, 950 से ज़्यादा गाँवों को सामुदायिक शुद्धिकरण प्रणालियों के माध्यम से सुरक्षित पेयजल भी उपलब्ध कराया गया है। बैंक ने इन सभी क्षेत्रों में जल से जुडे कई तरह के संसाधनों का निर्माण के साथ-साथ उनकी मरम्मत की है। इनमें खेतों में तालाब (फार्म पोंडस), चेक डैम, पानी के बँटवारे के लिए 'जल मीनार', और स्कूलों, स्वास्थ्य केंद्रों तथा घरों पर वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) प्रणालियाँ शामिल हैं। मध्य भारत में, 'वाटर' पहल के माध्यम से 'लिफ्ट सिंचाई' और 'रीचार्ज कुओं' ने आदिवासी किसान समुदायों तक पानी की पहुँच बढ़ाई है। पेयजल के लिए, बैंक ने स्थानीय जल स्रोतों के विश्लेषण के आधार पर यूवी, आरओ या कई चरणों वाली शुद्धिकरण (मल्टी स्टेज फिल्ट्रेशन) तकनीक का उपयोग करके छोटे शुद्धिकरण संयंत्र लगाए हैं। इन्हें सामुदायिक जल टैंक, नल के कनेक्शन और पानी की गुणवत्ता की निगरानी करने वाली प्रणालियों का भी सहयोग मिला है। केवल जल निकायें बनाने से ही खेती में बदलाव नहीं आता। एचडीएफसी बैंक परिवर्तन हर संरचनात्मक निवेश के साथ कृषि संबंधी सहायता भी देता है। इसमें सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियाँ माइक्रो इरिगेशन सिस्टमस), 'शेड नेट हाउस', 'जैव-इनपुट संसाधन केंद्र' (बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर्स) और 'बहु-स्तरीय खेती' (मल्टी लेयर फार्मिंग) के तरीके शामिल हैं। इन सभी के मिले-जुले प्रयासों से सिंचाई के अंतर्गत आने वाला क्षेत्र बढ़ा है, अनियमित वर्षा पर निर्भरता कम हुई है, और छोटे किसानों की फ़सलों की पैदावार में सुधार हुआ है। जल का उपयोग करने वाले सामुदायिक समूहों को 'जल बजट' बनाने और पानी का समझदारी से उपयोग करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि कोई भी जल संरचना बनने के लंबे समय बाद तक भी उपयोगी बनी रहे। इस कार्यक्रम की रूपरेखा में 'सामुदायिक स्वामित्व' (कम्युनिटी ओनरशिप) को केंद्रीय महत्व दिया गया है। 'महिला स्वयं-सहायता समूहों' और 'जल उपयोगकर्ता संघों' के साथ मिलकर तैयार की गई 'सहभागी ग्राम कार्य योजनाएँ' (पार्टिसिपेटरी विलेज एक्शन प्लांस) यह सुनिश्चित करती हैं कि हर निवेश स्थानीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हो। जीआईएस -आधारित नियोजन प्लानिंग से किसी भी स्थान का चयन पूरी सटीकता के साथ किया जाता है। 'मनरेगा' जैसी सरकारी योजनाओं के साथ तालमेल बिठाने से इस कार्यक्रम का प्रभाव और भी गहरा होता है, और काम की पुनरावृत्ति (डुप्लीकेशन) से बचा जा सकता है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड, सुश्री नुसरत पठान ने इस मौके पर बोलते हुए कहा, एचडीएफसी बैंक परिवर्तन में हमने समुदायों तक पहुँचने और उनकी ज़रूरतों को पूरा करने का काम किया है, चाहे पहाड़ों में 'आइस स्तूप' बनाना हो या उन गाँवों में पानी शुद्ध करने वाले प्लांट लगाना हो, जहाँ पहले कभी साफ़ नल का पानी नहीं पहुँचा था। 'परिवर्तन' के ज़रिए हमारा काम वाटरशेड डेवलपमेंट, बारिश के पानी को जमा करना, जल निकायों का निर्माण और उन्हें फिर से जीवित करना, आखिरी छोर तक सिंचाई का इंफ्रास्ट्रक्चर पहुँचाना और पर्यावरण के अनुकूल खेती के तरीकों को बढ़ावा देना है। 15,000 से ज़्यादा जल संरचनाएँ बनाना और लगभग एक हज़ार गाँवों को सुरक्षित पीने का पानी उपलब्ध कराना एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन हमारी असली सफलता उन खेतों में दिखती है जहाँ अब दूसरी फ़सल भी उगती है और उन बच्चों में जो अब गंदे पानी की वजह से बीमार नहीं पड़ते।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

कटे-जुड़े वोट का खेल, बसपा बनाएगी जीत का मेल

- 15 हजार बूथ कमेटियों से फीडबैक; वोट कटने-जुड़ने का जिलावार विश्लेषण शुरू, मायावती की सीधी निगरानी में टिकट वितरण की तैयारी

मनोज कुमार शुक्ला

- एसआईआर पर बसपा का 'मिशन रिव्यू': बूथ रिपोर्ट से बनेगी रणनीति, नए सिरे से तय होंगे प्रत्याशी
- बसपा ने 15 हजार बूथ कमेटियों से एसआईआर पर विस्तृत रिपोर्ट तलब की।
- मायावती खुद पूरी प्रक्रिया की निगरानी और समीक्षा कर रही हैं।
- एसआईआर में सक्रिय रहे नेताओं को टिकट में प्राथमिकता मिल सकती है।
- छूटे हुए समर्थक वोटरों को जोड़ने के लिए अभियान तेज करने की तैयारी।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) के बाद व्यापक स्तर पर 'मिशन रिव्यू' शुरू कर दिया है। पार्टी अब यह परखने में जुटी है कि इस अभियान से उसे कहां फायदा हुआ और किन क्षेत्रों में नुकसान उठाना पड़ा। यही आकलन आगामी चुनावी रणनीति और प्रत्याशी चयन की आधारशिला बनेगा।

बसपा ने प्रदेश के हर जिले से लेकर बूथ स्तर तक अपनी संगठनात्मक मशीनरी को सक्रिय करते हुए करीब 15 हजार बूथ कमेटियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इन रिपोर्टों में प्रत्येक बूथ पर मतदाताओं की स्थिति, कटे नामों की संख्या, नए जुड़े वोटरों का आंकड़ा और संभावित राजनीतिक असर का ब्यौरा शामिल है। पार्टी इस डेटा को माइक्रो लेवल पर विश्लेषित कर रही है, ताकि हर विधानसभा सीट की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके।

मायावती की सीधी मॉनिटरिंग, रोजाना हो रही समीक्षा: बसपा सुप्रीमो मायावती इस पूरी प्रक्रिया की खुद निगरानी कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने प्रदेश नेतृत्व को निर्देश दिए हैं कि रिपोर्ट सिर्फ औपचारिक न होकर तथ्यात्मक और जमीनी हकीकत पर आधारित हो। प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल को सभी जिलों से जल्द रिपोर्ट एकत्र करने और उसका संकलन कर शीर्ष नेतृत्व को सौंपने की जिम्मेदारी दी गई है। खास तौर पर उन इलाकों पर नजर रखी जा रही है जहां बसपा का पारंपरिक वोट बैंक मजबूत रहा है, लेकिन एसआईआर के बाद मतदाताओं की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है।

बूथ स्तर पर 'कमजोर कड़ियों' की पहचान: पार्टी की रणनीति का अहम हिस्सा उन बूथों की पहचान करना है जहां अपेक्षाकृत ज्यादा नाम कटे हैं। ऐसे बूथों को 'कमजोर कड़ी' मानते हुए वहां संगठन को मजबूत करने और छूटे हुए समर्थकों को फिर से जोड़ने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए बसपा जल्द ही विशेष संपर्क अभियान शुरू कर सकती है, जिसमें कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाता सूची की जांच करेंगे और जिनका नाम छूट गया है, उनका पंजीकरण सुनिश्चित करेंगे।

टिकट चयन में 'परफॉर्मेंस फैक्टर' होगा अहम

इस बार बसपा का टिकट वितरण पूरी तरह डेटा और प्रदर्शन आधारित होने की संभावना है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, जिन पदाधिकारियों और संभावित प्रत्याशियों ने एसआईआर अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई और अपने क्षेत्र में बेहतर परिणाम दिए, उन्हें प्राथमिकता मिल सकती है। जिलों में प्रभारी बनाए गए नेताओं की रिपोर्ट भी इस प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाएगी। यानी सिर्फ राजनीतिक समीकरण ही नहीं, बल्कि संगठनात्मक सक्रियता भी टिकट पाने का प्रमुख आधार बनेगी।

दलित-बेस वोट बैंक को मजबूत करने की कवायद

बसपा का मुख्य फोकस अपने पारंपरिक दलित और बहुजन वोट बैंक को सुरक्षित रखने पर है। पार्टी को आशंका है कि कुछ क्षेत्रों में मतदाता सूची से नाम कटने का सीधा असर उसके कोर वोट बैंक पर पड़ा है। इसी को ध्यान में रखते हुए पार्टी नेतृत्व ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे मतदाताओं को प्राथमिकता के आधार पर फिर से जोड़ा जाए। इसके लिए स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान, शिविर और विशेष अभियान चलाने की तैयारी है।

राजनीतिक समीकरण में बड़ा बदलाव संभव

एसआईआर के बाद बदली मतदाता सूची ने प्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। कई जिलों में वोटरों की संख्या में कमी या वृद्धि ने सीटों के समीकरण को प्रभावित किया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर किसी सीट पर जीत का अंतर कम रहा हो और वहां बड़ी संख्या में नाम कटे हों, तो उसका सीधा असर अगले चुनाव पर पड़ सकता है। ऐसे में बसपा का यह 'माइक्रो एनालिसिस मॉडल' उसे अन्य दलों के मुकाबले रणनीतिक बढ़त दिला सकता है।

पहले ही दे दिए गए थे निर्देश

गौरतलब है कि 7 फरवरी को लखनऊ में हुई बैठक में मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों को एसआईआर अभियान को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए थे। उन्होंने बहुजन समाज से अपील की थी कि वे सक्रिय रूप से इस प्रक्रिया में भाग लें और अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें। अब उसी अभियान के परिणामों का विश्लेषण कर बसपा चुनावी मैदान में उतरने से पहले अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने जा रही है। बसपा का यह विस्तृत आकलन सिर्फ एक संगठनात्मक प्रक्रिया नहीं, बल्कि चुनावी 'गेम प्लान' का अहम हिस्सा है। बूथ स्तर से लेकर शीर्ष नेतृत्व तक चल रही इस कवायद से साफ है कि पार्टी इस बार कोई चूक नहीं करना चाहती। एसआईआर की रिपोर्ट ही तय करेगी कि किसे टिकट मिलेगा, कहां रणनीति बदलेगी और किन क्षेत्रों में पार्टी पूरी ताकत झोंकेगी।

कानपुर सेंट्रल पर विजिलेंस की कार्रवाई, फर्जी रेलवे अधिकारी बनकर यात्रियों को धमकाने वाला गिरफ्तार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर रेलवे विजिलेंस टीम ने एक फर्जी रेलवे अधिकारी को गिरफ्तार किया। आरोपित ट्रेन में खुद को अधिकारी बताकर यात्रियों पर रौब जमा रहा था और उन्हें डराने-धमकाने का काम कर रहा था। शिकायत मिलने के बाद विजिलेंस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्ति के पास से फर्जी आईकार्ड और अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वह लंबे समय से इस तरह की हरकतों में शामिल हो सकता है। जानकारी के मुताबिक, शिव गंगा एक्सप्रेस के कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंचते ही विजिलेंस टीम पहले से सतर्क हो गई थी। ट्रेन रुकते ही संदिग्ध युवक को घेरकर हिरासत में ले लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक आईकार्ड, ड्यूटी पास और अन्य फर्जी कागजात मिले। आई कार्ड के अनुसार आरोपित का नाम संजय कुमार लिखा है। जो झांसी का रहने वाला है। इसके अलावा उसके पास से कुछ नकदी भी बरामद हुई है। जांच में यह भी सामने आया है कि शातिर ट्रेन में खुद को रेलवे अधिकारी बताकर यात्रियों पर दबाव बनाता था और उन्हें नियमों का हवाला देकर डराता था। आशंका जताई जा रही है कि वह इसी तरीके से लोगों को गुमराह कर फायदा उठाता रहा होगा। विजिलेंस टीम अब आरोपित से गहन पूछताछ कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसके साथ कोई गिरोह तो सक्रिय नहीं है और वह कब से इस तरह की फर्जी गतिविधियों को अंजाम दे रहा था। डिप्टी सीटीएम अकंाशु गोविल ने शनिवार को बताया कि आरोपित के पास से बरामद दस्तावेज पूरी तरह फर्जी पाए गए हैं। मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि रेलवे में इस तरह की धोखाधड़ी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यदि कोई व्यक्ति खुद को अधिकारी बताकर संदिग्ध गतिविधि करता नजर आए तो उसकी सूचना तुरंत रेलवे या पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

बीबीए-बीसीए सम सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म की अंतिम तिथि 21 अप्रैल तक बढ़ी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जौनपुर,18अप्रैल(हि.स.)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बीबीए और बीसीए सम-सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 21 अप्रैल कर दी है। विश्वविद्यालय के इस निर्णय से उन छात्र-छात्राओं को राहत मिली है, जो किसी कारणवश अब तक आवेदन नहीं कर सके थे।विश्वविद्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, बीबीए एवं बीसीए सम-सेमेस्टर सत्र 2025-26 की परीक्षाएं 8 अप्रैल से प्रस्तावित हैं, जिसका विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम जल्द ही विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि यह अंतिम अवसर है। जिन महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं अब तक परीक्षा फॉर्म नहीं भर पाए हैं, वे 15 अप्रैल से 21 अप्रैल के बीच ऑनलाइन फॉर्म भरने, सत्यापन कराने तथा परीक्षा शुल्क जमा करने की प्रक्रिया पूरी कर लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित तिथि के बाद किसी भी प्रकार का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा, इसलिए सभी अभ्यर्थी समय सीमा के भीतर अपनी प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि परीक्षा में शामिल होने में कोई परेशानी न हो।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

यात्रियों की सुविधा हेतु चलेगी आनंद विहार टर्मिनल- जोगबनी-आनंद विहार टर्मिनल आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। ग्रीष्म काल में यात्रियों की सुविधा के लिए आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी-आनंद विहार टर्मिनल आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस का संचालन किया जाएगा। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने शनिवार को बताया कि ट्रेन संख्या (04008) 18 अप्रैल से 11 जुलाई के बीच प्रत्येक शनिवार को आनंद विहार टर्मिनल से जोगबनी के लिए चलेगी। ट्रेन संख्या 19 अप्रैल से 12 जुलाई के बीच प्रत्येक रविवार को (04007) जोगबनी से आनंद विहार टर्मिनल के लिए चलेगी। दोनों ट्रेनें 12-12 फ़ेरे लगाएंगी, इसमें वातानुकुलित एवं स्लीपर कोच होंगे। सीनियर डीसीएम आदित्य गुप्ता ने आगे बताया कि ट्रेन संख्या (04008) आनंद विहार टर्मिनल से शनिवार को सुबह 8:30 पर चला करेगी जो गाजियाबाद हापुर होते हुए सुबह 11:30 पर मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पहुंचेगी और 10 मिनट ठहराव के बाद 11:40 पर मुरादाबाद से चलकर बरेली, शाहजहांपुर, सीतापुर, गोंडा, गोरखपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, शाहपुर, पटोरी, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, मानसी, नौगछिया, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, कोर्ट, फारबिस गंज होते हुए अगले दिन दोपहर 3 बजे जोगबनी पहुंचेगी। वहीं वापसी में ट्रेन संख्या (04007) जोगबनी रेलवे स्टेशन से रविवार को शाम 6:30 पर चलेगी और उपरोक्त सभी स्टेशन पर ठहराव लेते हुए अगले दिन रात्रि 10:40 पर मुरादाबाद पहुंचेगी और 10 मिनट ठहराव के बाद 10:50 पर मुरादाबाद से चलकर हापुड़ गाजियाबाद होते हुए सुबह 3 बजे आनंद विहार टर्मिनल स्टेशन पहुंचेगी।

बढ़ती जिहादी गतिविधियों व अवैध कब्जों के खिलाफ बजरंग दल का ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को देश में कथित रूप से बढ़ती जिहादी मानसिकता, लव जिहाद, अवैध धर्मांतरण और सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के मुद्दे को लेकर राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। कार्यकर्ताओं ने इन मामलों को देश की आंतरिक सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव के लिए गंभीर खतरा बताते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की। इसके पहले कार्यकर्ताओं ने सड़क पर जोरदार नारेबाजी भी की। नाथनगरी क्षेत्र से जुड़े बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि देश में सुनियोजित तरीके से लव जिहाद और अवैध धर्मांतरण के मामले बढ़ रहे हैं। हाल के कुछ घटनाक्रमों का हवाला देते हुए कहा गया कि यह नेटवर्क अब शिक्षित वर्ग और पेशेवर संस्थानों तक भी पहुंच चुका है, जो चिंताजनक है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि कुछ स्थानों पर महिलाओं और युवतियों का शोषण कर उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है और जबरन धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है। साथ ही, कथित तौर पर कुछ शैक्षणिक संस्थानों और संगठनों के माध्यम से भी राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के संचालन की बात उठाई गई। कार्यकर्ताओं ने अवैध कब्जों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि वन विभाग, रेलवे और सेना की भूमि पर अवैध धार्मिक निर्माण कर कब्जे किए जा रहे हैं। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए ऐसे निर्माणों को तत्काल हटाने की मांग की गई। इसके अलावा समाज में वैमनस्य फैलाने के उद्देश्य से खान-पान से जुड़ी घटनाओं पर भी चिंता जताई गई। ज्ञापन में मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में हिंदू परिवारों और जनजातीय समाज के उत्पीड़न का भी आरोप लगाया गया। कहा गया कि ऐसी घटनाओं के चलते कुछ परिवारों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि इन मामलों की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। बजरंग दल के जिला संयोजक केवला नंद गौड व अन्य पदाधिकारियों ने मांग की कि लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए कठोर केंद्रीय कानून बनाया जाए। साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की भी बात कही गई। अंत में कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से अपील की कि राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में संलिप्त तत्वों को चिह्नित कर उनके खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जाए, ताकि देश में शांति, सुरक्षा और सामाजिक सद्भाव बना रह सके।

लखनऊ में पहली बार 'डे-नाइट मार्केट' की तैयारी, अगस्त से जगमगाएंगी रातें

- इंदौर मॉडल पर गोमती नगर विस्तार में बनेगा आधुनिक नाइट हब, 100 दुकानों में फूड, हस्तशिल्प और शॉपिंग का मिलेगा संगम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- लखनऊ में पहली बार डे-नाइट मार्केट, अगस्त से रातों में भी दिखेगी रौनक
- गोमती नगर विस्तार में 100 दुकानों का आधुनिक नाइट हब तैयार होगा
- फूड, हस्तशिल्प और शॉपिंग का एक ही जगह संगम मिलेगा लोगों को
- नाइट टूरिज्म और रोजगार को मिलेगा बड़ा बढ़ावा, युवाओं के लिए नए अवसर
- सीसीटीवी, लाइटिंग और सुरक्षा के साथ फैमिली फ्रेंडली मार्केट बनेगा आकर्षण

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की पहचान अब सिर्फ तहज़ीब और नवाबी अंदाज़ तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि शहर की रातें भी जल्द ही रौनक और चहल-पहल से भर जाएंगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) गोमती नगर विस्तार में इंदौर की तर्ज पर शहर का पहला 'डे-नाइट मार्केट' विकसित करने जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और इसे अगस्त तक आम जनता के लिए खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के अनुसार, यह मार्केट इंदौर के प्रसिद्ध नाइट फूड हब से प्रेरित होगा, जहां देर रात तक खाने-पीने और खरीदारी का माहौल बना रहता है। लखनऊ में बनने वाला यह पहला ऐसा संगठित बाजार होगा, जो रात में भी पूरी तरह संचालित रहेगा।

100 दुकानों में मिलेगा स्वाद और खरीदारी का संगम: यह डे-नाइट मार्केट जनेश्वर मिश्र पार्क के गेट नंबर-6 के पास विकसित किया जाएगा। यहां करीब 100 दुकानों और कियोस्क का निर्माण होगा।

मार्केट में फूड स्टॉल्स के साथ-साथ हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद और रोजमर्रा की जरूरतों का सामान भी उपलब्ध होगा। इसका उद्देश्य केवल खाने-पीने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे एक फैमिली फ्रेंडली डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां युवा, परिवार और पर्यटक सभी समय बिता सकेंगे।

नाइट टूरिज्म और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा: एलडीए का मानना है कि इस प्रोजेक्ट से लखनऊ में नाइट टूरिज्म को नई पहचान मिलेगी। इससे न केवल शहर की आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी, बल्कि स्थानीय युवाओं और छोटे व्यापारियों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मार्केट में सीसीटीवी कैमरे, हाई-क्वालिटी लाइटिंग और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि लोग रात में भी सुरक्षित माहौल में खरीदारी और खानपान का आनंद ले सकें।

किराया और आवंटन प्रक्रिया: मार्केट में दुकानों का अधिकतम किराया 5000 रुपये प्रति माह तय किया गया है, जिससे छोटे व्यापारियों को भी अवसर मिल सके। दुकानों का आवंटन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा और चयनित वेंडर्स के साथ एक वर्ष का अनुबंध किया जाएगा।

प्रमुख सुविधाएं

* इंदौर नाइट मार्केट मॉडल पर आधारित विकास
* लगभग 100 दुकानें और कियोस्क
* सिटिंग एरिया और ओपन स्पेस
* पर्याप्त लाइटिंग और पार्किंग व्यवस्था
* परिवार और युवाओं के लिए सुरक्षित वातावरण

शहर को मिलेगी नई पहचान: इस डे-नाइट मार्केट के शुरू होने के बाद लखनऊ में भी इंदौर जैसी नाइट लाइफ संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। यह प्रोजेक्ट राजधानी को एक मॉडर्न अर्बन डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

डीसीपी गोमती जोन ने सुनी व्यापारियों की समस्याएं, समाधान के लिए साझा किए गये सुझाव

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गोमती जोन नीतू कादयान ने शनिवार को जोन के विभिन्न थाना क्षेत्रों के व्यापारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान व्यापारिक गतिविधियों से जुड़ी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई और समाधान के लिए सुझाव भी साझा किए गए। बैठक में उपस्थित व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने सार्वजनिक स्थलों और हाईवे पर खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों की समस्या प्रमुखता से उठाई। उनका कहना था कि अंधेरे के कारण चोरी की घटनाओं में वृद्धि होने के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। इस पर डीसीपी ने कहा कि भले ही यह विषय सीधे पुलिस विभाग के अधीन नहीं आता, लेकिन संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर जल्द ही एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि समस्या का प्रभावी समाधान किया जा सके। एक व्यापारी द्वारा सीसीटीवी कैमरा खराब होने की शिकायत पर डीसीपी ने तत्काल संबंधित थाना प्रभारी को निर्देश देते हुए शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराने को कहा। वहीं, बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर जताई गई चिंताओं पर उन्होंने जागरूकता को सबसे बड़ा बचाव बताया। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा समय-समय पर साइबर सुरक्षा को लेकर अभियान चलाए जा रहे हैं और व्यापारियों को भी इसमें सक्रिय भागीदारी करनी चाहिए।